राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 103 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 25 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

बजट में खास

- रायपुर, भिलाई व दुर्ग स्टेट कैपिटल रीजन के लिए 68 करोड़
- रायपुर, भिलाई व दुर्ग मेट्रो रेल परियोजना पर आगे बढ़ेगा काम
- भिलाई में व्यावसायिक परिसर निर्माण हेतु 10 करोड़
- नवा रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्रायबल एवं कल्चरल कन्वेन्शन सेंटर निर्माण हेतु 350 करोड़
- हर साल होगा नवा रायपुर में साहित्य उत्सव
- घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देने 800 करोड़ का प्रावधान
- बीपीएल उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली देने 354 करोड़ का प्रावधान
- बस्तर-सरगुजा ओलंपिक के लिए 5-5 करोड़
- नक्सल प्रभावित रहे अबूझमाड़ व जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी के लिए 100 करोड़
- डिजीटल भारत निधि योजना तहत प्रदेश में लगेंगे 500 मोबाईल टॉवर
- बस्तर में इंटरनेट सेवा बनाए रखने बस्तरनेट परियोजना, 5 करोड़
- 250 महतारी सदन बनाने 75 करोड़
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 2 हजार करोड़

नई पहल

इस वर्ष प्रस्तुत की गई नई पहलें राज्य की उभरती हुई प्राथमिकताओं और दीर्घकालिक विकास के उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करती हैं। इन पहलों का उद्देश्य नई संभावनाओं की पहचान कर राज्य की समावेशी प्रगति एवं आर्थिक उन्नति की दिशा में निर्णायक कदम उठाना है।

1. अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी

अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी की स्थापना के लिए 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य नक्सलवाद के गढ़ कहे जाने वाले अबूझमाड़ और जगरगुंडा को शिक्षा के केन्द्र बिन्दु के रूप में विकसित करना है।

2. नए औद्योगिक पार्क

राज्य में 23 नए औद्योगिक पार्क स्थापित करने हेतु 250 करोड़ का प्रावधान है, जिससे औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

3. लैंड बैंक विकास योजना

लैंड बैंक विकास योजना के लिए 200 करोड का प्रावधान किया गया है. ताकि औद्योगिक प्रयोजन के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

4. बस्तर एवं सरगुजा में औद्योगिक विकास

खाद्य, Agro Forestry, कृषि एवं कृषि संबद्ध उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड का प्रावधान किया गया है।

5. इलेक्टॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर 2.0

राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर 20 की स्थापना के लिए 10 करोड़ का प्रावधान है।

6. सिरपुर विकास योजना

सिरपुर विकास योजना के अंतर्गत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत के संरक्षण एवं विकास हेतु 42 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

'ज्ञान', 'गति' के बाद 'संकल्प'...

चौधरी ने पेश किया 1 लाख 72 हजार करोड़ का बजट....

रायपुर। विधानसभा में आज वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने 'संकल्प' थीम के साथ वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ का अनुमानित बजट पेश किया। उल्लेखनीय है कि चौधरी ने अपना पहला बजट 'ज्ञान' व दूसरा 'गति' थीम के साथ प्रस्तुत किया था। अपने बजट भाषण में चौधरी ने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य है, जिसकी प्राप्ति के लिए हमने 2030 के मध्यकालिक लक्ष्य को भी निर्धारित किया है। हम एक स्पष्ट रोड-मैप के साथ इस ओर आगे बढ़ रहे हैं। इसी पथ पर हमारा प्रत्येक बजट आगे बढ़ता हुआ एक-एक कदम है। बजट भाषण में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि हमारे विकास यात्रा का केन्द्र बिंदु 'ज्ञान' रहा है, जिसके उत्थान के लिए 'गति' की रणनीति पिछले बजट में अपनायी गई थी। 'ज्ञान' के कल्याण के लिए इस बार हमारे बजट का थीम 'संकल्प' है, जो कि जनता जनार्दन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को निष्ठा को समर्पण और दृढ़संकल्प को रेखांकित करता है। कोई भी लक्ष्य पूरा होता है 'संकल्प' से। क्षमता कम या ज्यादा हो लेकिन यदि दृढ़ इरादा हो, संकल्प मजबूत हो, तो कोई भी लक्ष्य संकल्पवान के सामने नतमस्तक हो जाता है। 'संकल्प' का आशय है समावेशी विकास, अधोसंरचना, निवेश, कुशल मानव संसाधन, अन्त्योदय, लाईवलीहुड एवं पॉलिसी से परिणाम तक। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट छत्तीसगढ़ के विकास की गति को और तेजी प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास हो। भविष्य के अनुरूप कार्यबल तैयार हो। आजीविका के नए अवसर उपलब्ध हों। कमजोर वर्ग अग्रणी बनें और छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक कौशल से उन्नत किया जा सके। चौधरी ने कहा कि सरकार के पिछले 2 बजट के मार्गदर्शी सिद्धांत ज्ञ्ह (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) और GATI (Good Governance, Accelerating Infrastructure, Technology, Industrial Growth) थे। इस वर्ष का बजट स्न्ह्यस्र यह दर्शाता है कि सरकार केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने के लिए संकल्पित है, जिससे नीति का उद्देश्य परिणामों में बदल सके और विकास का प्रभाव हर नागरिक और हर क्षेत्र तक पहुँचे। यह एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है जहाँ आर्थिक विस्तार, सामाजिक न्याय, आधारभूत संरचना निर्माण और सांस्कृतिक पहचान सभी एक साथ आगे बढ़ें। चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने अपने 25 वर्ष पूर्ण करते हुए रजत जयंती वर्ष को 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में मनाया। इस अवधि में प्रदेश ने आर्थिक विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसका प्रमाण है कि राज्य निर्माण के समय जहाँ प्रदेश का बजट मात्र 4 हजार 944 करोड़ था, वहीं आज यह 35 गुना बढ़कर 1 लाख 72 हजार करोड़ तक पहुँच चुका है। यह बजट सर्वस्पर्शी है जो समाज के सभी वर्गों, महिला, किसान, युवा, उद्यमी की महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है। बजट के माध्यम से हमने एक ईमानदार प्रयास किया है कि छत्तीसगढ़ में आर्थिक विकास की गति और तेज हो तथा प्रदेश की इस विकास यात्रा में सभी वर्ग और सभी क्षेत्रों का योगदान हो। SANKALP की थीम पर आधारित यह बजट मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की 3 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है।

चौधरी ने अंग्रेजी के शब्दों को स्पष्ट करते हुए कहा कि SANKALP का प्रत्येक अक्षर बजट के मूल आधार स्तंभों का संयोजन है। S (एस) यानी समावेशी विकास। समावेशी विकास केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि आज के छत्तीसगढ़ की प्रगति का मूल सिद्धांत है। यह बजट सुनिश्चित करता है कि विकास क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करते हुए हर समुदाय, विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्गों, किसानों, युवाओं और महिलाओं तक पहुँचे। A (ए) यानी अधोसंरचना। सड़क, सिंचाई, बिजली, शहरी विकास और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में अधोसंरचना निर्मित करने हेतु महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। मजबूत आधारभूत संरचना आर्थिक विकास की रीढ़ है और यह राज्य की जनता के जीवन स्तर को और बेहतर बनाएगी। N (एन) यानी निवेश। बजट औद्योगिक विकास और निजी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है। नीतिगत सहयोग, प्रोत्साहन, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों और रोजगार सृजन में तेजी लाई जाएगी। K (के) यानी कुशल मानव संसाधन। बजट में शिक्षा कौशल विकास और क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया गया है, ताकि युवा, स्वास्थ्य, उद्योग, आईटी, पर्यटन, नये उभरते क्षेत्रों में रोजगार मूलक कौशल प्राप्त कर सकें। यह पहल राज्य के मानव पूजी आधार को और मजबूत बनाएगी। A (ए) यानी अन्त्योदय। कमजोर और वंचित वर्गों के लिए लक्षित कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। सामाजिक सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता दी गई है। L (एल) यानी लाईवलीहुड। कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्र, हस्तशिल्प एवं ग्रामीण उद्यमों को सुदृढ़ और आधुनिक कर, आजीविका के नए अवसर सृजित करने तथा आय बढ़ाने पर इस बजट में जोर दिया गया है। बस्तर एवं सरगुजा में आजीविका के साधनों को सशक्त करने के लिए विशेष प्रावधान किये गये हैं। P (पी) यानी पॉलिसी से परिणाम तक। बजट Intent, Initiative, Implement और Impact के मॉडल पर आधारित है, जिसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में Reforms को चिन्हांकित कर, उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है।

राजकोषीय संकेतक

- राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) वर्ष 2025-26 में 6,31,290 करोड संभावित है जो वर्ष 2026-27 में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7.09,553 करोड अनुमानित है।
- राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2024-25 में 1,62,848 थी, जो 2025-26 में 10.07 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,79,244 अनुमानित है।
- वर्ष 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियाँ 1,65,100 करोड़ अनुमानित थी, जो वर्ष 2026-27 के बजट में बढ़कर 1,72,000 करोड़ अनुमानित है।
- वर्ष 2025-26 का बजट आकार 1,65,000 करोड़ था, जबकि वर्ष 2026-27 के लिए 1,72,000 करोड़ अनुमानित है। यह दर्शाता है कि व्यय में वृद्धि, प्राप्तियों के अनुरूप संतुलित है।
- राजस्व व्यय वर्ष 2025-26 में 1,38,196 करोड़ अनुमानित था, जो वर्ष 2026-27 में 1,45,000 करोड़ अनुमानित है। यह वृद्धि सामाजिक योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों के विस्तार को दर्शाती है।
- वर्ष 2026-27 में 26,500 करोड़ का पूंजीगत व्यय अनुमानित है, जो कुल बजट का 15.1 प्रतिशत तथा GSDP का 3.7 प्रतिशत है। यह राज्य की अधोसंरचना निर्माण के लिए निरंतर प्राथमिकता को दर्शाता है।
- वित्तीय घाटा वर्ष 2026-27 में 20,400 करोड़ अनुमानित है। यह GSDP का 2.87 प्रतिशत है, जो FRBM अधिनियम के 3 प्रतिशत के मानक के भीतर है।
- वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का राजस्व घाटा 2,000 करोड़ अनुमानित है।

2026-27 का बजट 'संकल्प से सिद्धि' का रोडमैप-मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अंत्योदय और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को साकार करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का पहला बजट ज्ञान और दूसरा बजट गति की थीम पर आधारित था, जबकि इस वर्ष का बजट संकल्प की भावना को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, जो विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में समावेशी विकास, अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण, निवेश संवर्धन, कुशल मानव संसाधन निर्माण, लाइवलीहुड, अंत्योदय तथा पॉलिसी से परिणाम तक की स्पष्ट रणनीति को प्राथमिकता दी गई है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार मिशन मोड में कार्य करने के लिए पांच मुख्यमंत्री मिशन प्रारंभ कर रही है, जिनमें मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन, मुख्यमंत्री एआई मिशन, मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन, मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन तथा मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन शामिल हैं। इन मिशनों के माध्यम से प्रदेश के विकास को नई दिशा, नई धार और नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्कूल शिक्षा के लिए कुल बजट का 13.5 प्रतिशत प्रावधान किया गया है, जो सर्वाधिक है। बस्तर के अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो एजुकेशन सिटी स्थापित की जाएंगी, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कैशलेस उपचार सुविधा हेतु भी बजट में प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 23 नवीन औद्योगिक पार्कों की स्थापना हेतु 250 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना में 200 करोड़ रुपए तथा भूमि विकास बैंक के लिए भी 200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और कृषि क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। इसी को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र के लिए 13 हजार 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के अंतर की राशि का भुगतान एकमुश्त करने की व्यवस्था जारी रहेगी

और इसके लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर और सरगुजा क्षेत्र का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों में खाद्य, कृषि और उससे जुड़े उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही बकरी पालन, सूअर पालन और मधुमक्खी पालन जैसे गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इंद्रावती नदी पर देवरगांव और मटनार बैराज निर्माण के लिए 2000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है, जिससे बस्तर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विस्तार होगा और किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवादी उन्मूलन में बस्तर फइटर्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए बस्तर फइटर्स में 1500 नई भर्तियों का प्रावधान किया गया है। पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे योजना हेतु 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिनमें कुनकुरी, मनेन्द्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा एवं दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज संचालन, जगदलपुर-अंबिकापुर हवाई सेवाओं का विस्तार, अंदरूनी क्षेत्रों में मुख्यमंत्री बस सेवा तथा बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक्स के आयोजन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि युवाओं के लिए भर्ती प्रक्रियाओं को तेज करने हेतु व्यापम की दक्षता बढ़ाने के प्रावधान किए गए हैं। साथ ही युवाओं के शैक्षणिक भ्रमण के लिए छत्तीसगढ़ युवा दर्शन योजना प्रारंभ की जाएगी तथा लखपति दीदियों के भ्रमण कार्यक्रम के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस बजट को प्रदेशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि यह बजट प्रदेश को समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मील का पत्थर साबित होगा।

फ्लैगशिप योजनाएँ

कृषक उन्नति योजना

कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 10,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस योजना का उद्देश्य खेती में आधुनिक तकनीक, बेहतर इनपुट और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है।

महतारी वंदन योजना

महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 8,200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना

मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 6,500 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य पात्र परिवारों को चावल, चना, शक्कर और नमक उपलब्ध कराना है।

ऊर्जा सब्सिडी

5 एचपी तक के कृषि पंपों वाले किसानों को मुफ्त बिजली हेतु 5,500 करोड़, ल बत्ती कनेक्शन वाले परिवारों को मुफ्त बिजली हेतु 354 करोड तथा घरण उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक आधा बिजली बिल हेतु 800 करोड़ सहित कुल 6,700 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 4,000 करोड का प्रावधान किया गया है।

शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना

सभी नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करने हेतु शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में 1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

पीएम जनमन योजना

विशेष पिछड़े जनजातीय समूहों (PVTGS) के विकास हेतु पीएम जनमन योजना अंतर्गत 720 करोड का प्रावधान किया गया है।

A. जल जीवन मिशन 3 हजार करोड़
B. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2 हजार करोड़
C. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 1 हजार 725 करोड़
D. समग्र शिक्षा अभियान-1 हजार 500 करोड़
E. प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 825 करोड़
F. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 820 करोड़
G. दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना- 600 करोड़
H. समग्र विकास योजना (ग्रामीण विकास) 300 करोड़

संक्षिप्त समाचार

प्रस्तुत बजट छत्तीसगढ़ के संतुलित एवं सर्वांगीण विकास का बजट नहीं- नागेंद्र गुप्ता

जांजगीर चांपा//समय दर्शन // छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह बजट राज्य के संतुलित एवं सर्वांगीण विकास की भावना को प्रतिबिंबित नहीं करता। बजट में बस्तर एवं सरगुजा अंचल पर अत्यधिक फोकस किया गया है, जबकि छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्रों की घोर उपेक्षा की गई है। शासकीय रोजगार सृजन के लिए कोई ठोस योजना सामने नहीं आई है। प्रोफेसर, शिक्षक-शिक्षिकाओं, डॉक्टरों सहित अन्य शासकीय पदों पर भर्ती को लेकर बजट पूरी तरह मौन है जांजगीर-चांपा जिले के लिए बजट में कोई विशेष योजना शामिल नहीं की गई है। धान उत्पादक क्षेत्र होने के बावजूद धान एवं चावल आधारित फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसी प्रकार 'सिल्क सिटी' के रूप में पहचाने जाने वाले जिले में कोसा कपड़ा बुनकरों के लिए भी कोई योजना नहीं लाई गई है। इसके साथ ही नगरीय निकायों के विकास, आधारभूत संरचना एवं जन सुविधाओं के लिए भी बजट में कोई ठोस प्रावधान नहीं है। कुल मिलाकर यह बजट न तो रोजगारोन्मुखी है व्यक्ति मुल्क रोजगार और न ही छत्तीसगढ़ के सभी क्षेत्रों के समावेशी विकास की दिशा में संतुलित प्रयास करता है

आगामी जनगणना 2027 : दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन // आगामी जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) के सफल संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण का जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रथम चरण में हाउस लिस्टिंग के अंतर्गत प्रत्येक मकान का सूचीकरण किया जाएगा। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय जानकारी एकत्र किया जाएगा। प्रशिक्षण में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित प्रपत्रों के अनुसार सावधानीपूर्वक एवं त्रुटिरहित जानकारी संकलित करें, ताकि जनगणना कार्य सफलतापूर्वक एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जा सके। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा एचएलबी क्रिएटर और लेआउट मानचित्र तैयारी के माध्यम से मकानसूचीकरण ब्लॉक का नक्शा तैयार करना, सीएमएमएस में डैशबोर्ड का उपयोग, सीएमएमएस- प्रशिक्षण प्रबंधन नियुक्ति पत्र और आईडी कार्ड तैयार करना, आईडी कार्ड जारी करने, लॉजिस्टिक्स और प्रिंटिंग और डेटा एंट्री मॉड्यूल में क्या करें और क्या ना करें की जानकारी, ग्राम, नगर, चार्ज रजिस्टरों की तैयारी डेटा नैतिकता, गोपनीयता, सुरक्षा और मोबाइल और वेब ऐप से जुड़ी समस्याओं का निवारण-ऐप के उपयोग के लिए क्या करें और क्या ना करें व डेटा सुरक्षा की जानकारी, स्वगणना प्रक्रिया और डेमो और उत्तरदाता प्रगणक और पर्यवेक्षकों की भूमिका की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी श्री संदीप ठाकुर, अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, तहसील जनगणना चार्ज अधिकारी, नगरीय जनगणना चार्ज अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

किसान-युवा उपेक्षित, सिर्फ घोषणाओं का बजट : अशोक साहू

पाटन। पूर्व उपाध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग एवं विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने वर्ष 2026-27 के राज्य बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि यह बजट आम जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ठोस एवं प्रभावी प्रावधानों का अभाव दिखाई देता है। बड़ी-बड़ी घोषणाएं जरूर की गई हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर राहत देने वाली योजनाओं का स्पष्ट खाका नजर नहीं आता। अशोक साहू ने धान खरीदी, रोजगार सृजन और ग्रामीण अधोसंरचना के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं को रोजगार देने के लिए ठोस नीति की आवश्यकता है। केवल आंकड़ों और शब्दों से प्रदेश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को राहत, समर्थन मूल्य, रोजगार के अवसर और महंगाई से निजात की उम्मीद थी, लेकिन बजट में इन मुद्दों पर ठोस समाधान प्रस्तुत नहीं किया गया।

कमला कॉलेज में आयोजित हुआ 4 दिवसीय स्टूडेंट स्कीलिंग प्रोग्राम

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में 10 से 13 फरवरी 2026 तक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से स्टूडेंट स्कीलिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बैंकिंग फायनेंसियल सर्विस एंड इंश्योरेंस (बीएफएससी) क्षेत्र में छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से आयोजित हुआ था। महाविद्यालय की 86 छात्राओं ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और अपने कौशल को निखारा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव, डॉ. जयसिंग साहू, डॉ. निवेदिता ए. लाल, श्रीमती नीलम राम धनसाय और प्रशिक्षक हरीश पाल द्वारा सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने छात्राओं को बचत और निवेश के महत्व के बारे में जागरूक किया।

कार्यक्रम के पहले दिन बैंकिंग कार्य प्रणाली, बीएफसीआई और केवायसी के बारे में जानकारी दी गई। दूसरे दिन म्यूच्यूअल फंड्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। तीसरे दिन स्टॉक मार्केट और ट्रेडिंग की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया गया, जबकि चौथे दिन इनकम टैक्स और जीएसटी से संबंधित जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के बाद टैलेंट स्किल वार्सिटी द्वारा परीक्षा आयोजित की गई और उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजली अवधिया ने छात्राओं को बीएफसीआई क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा डॉ. युगेश्वरी साहू, नोडल अधिकारी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर डॉ. रोहित वर्मा, तुमेश्वर साहू, रेवतीरमन साहू, गोविंद कुमार, धनेश पटेल सहित अन्य शिक्षकगण और छात्राओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय का यह प्रयास छात्रों को वित्तीय क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, और उनकी भविष्य की संभावनाओं को उज्जवल बनाता है।

कर्मचारी और उसके परिवार के लिए वरदान साबित होगा कैशलेस इलाज

भूतपूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष ने शिक्षक प्रतिनिधिमंडल को दिया था कैशलेस इलाज का भरोसा

दुर्ग/रायपुर। 2026 में छत्तीसगढ़ राज्य के बजट सत्र के दौरान कैशलेस इलाज की घोषणा होने से प्रदेश के लगभग 4.5 लाख कर्मचारी और उनके परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है । कर्मचारियों के विभिन्न संगठन निरंतर इसके लिए पिछले दो वर्षों से प्रयासरत् थे । प्रयासों के इसी क्रम में शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने विगत 5 जुलाई 2024 को ओम प्रकाश पाण्डेय एवं कमल वैष्णव के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी से मुलाकात कर इस संबंध में विस्तृत चर्चा की थी और कर्मचारियों को होने वाली समस्याओं से उन्हें अवगत कराया था । प्रतिनिधि मंडल ने उन्हें यह भी बताया था कि कैशलेस इलाज से शासन पर भी कोई अतिरिक्त भर नहीं आएगा , क्योंकि कर्मचारियों के द्वारा इलाज पर किया गया खर्च पहले भी शासन चिकित्सा प्रतिपूर्ति के रूप में कर्मचारियों को भुगतान करता रहा है । लेकिन कैशलेस इलाज योजना से कर्मचारियों को इलाज कराने के समय तात्कालिक रूप से धनराशि जमा करने की परेशानी से निजात मिल जाएगी । डॉ. रमन सिंह ने कर्मचारी प्रतिनिधियों से किया गया अपना वादा आज छत्तीसगढ़ के बजट सत्र के दौरान कैशलेस इलाज की घोषणा के साथ पूरा किया है इससे कर्मचारी जगत में खुशी का माहौल निर्मित हुआ है । अमितेश तिवारी, सुनील स्वर्णकार, नारायण दास जोशी, राहुल झा, बी. प्रकाश, कौशल साहू, लिखन लाल भुआर्य, काशीनाथ सिंह, पवन सिंह, मिथिलेश कुमार देशलहरा, चंद्रकांत साहू, सुनील शर्मा, विजय श्रीवास्तव, विनोद ठाकुर, महेश ठाकरे, मनोज जोशी, प्रमोद साहू, संकल्प साहू रश्मि साहू,वर्षा हरिहरनो अभिषेक चंदन, निज़ाम, तोमन साहू, चुने राम साहू, नीलू थापा, हेमलता साहू, गीता गुप्ता सहित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कैशलेस इलाज की घोषणा पर खुशी जाहिर की एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

श्री परशुराम युवा वाहिनी बसना के अध्यक्ष बने भूपेन्द्र शर्मा, सचिव सुजीत दास

बसना (समय दर्शन)। बसना स्थित हरि लक्ष्मी विप्र भवन में श्री परशुराम युवा वाहिनी का गठन किया गया। उपस्थित ब्राम्हण बन्धुओं एवं श्री परशुराम वाहिनी के सदस्यों द्वारा एवं सर्व सम्मति से परशुराम युवा वाहिनी विकास खण्ड बसना का अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष चंदन मिश्रा, दीपक शर्मा, हेमसागर दास,सचिव सुजीत दास, सह सहसचिव विनय सतपथी, कोषाध्यक्ष हेमसागर देवता, मिडिया प्रभारी राजन कर मनोनीत किये गये।

इस बैठक में ब्राम्हण समाज कार्यकारी जिलाध्यक्ष बलदेव मिश्रा, ब्राम्हण नवयुवक संघ बसना से अध्यक्ष हेमंत दास, सचिव ललित मिश्रा,कोषाध्यक्ष छबिमन्यु सढंगी,पूर्व अध्यक्ष बृंदावन सतपथी, आनंद कुमार दास,अयोध्या प्रसाद मिश्रा, राधाकांत कर,सतीश पाढ़ी, अभिषेक दास, सौरभ कर, निलय कर, महेश पति, प्रशांत देवता एवं अन्य नवयुवक विप्र बंधु उपस्थित थे। समिति गठन के पश्चात श्री परशुराम युवा वाहिनी के नवनियुक्त पदाधिकारी गणों का स्वागत तिलक लगाकर नीरज दास द्वारा शुभ मंगल कामनाओं के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार शर्मा एवं सचिव सुजीत दास ने बताया कि, पूरे विकासखंड मे निवासरत युवाओ को जोड़कर परशुराम वाहिनी का विस्तार किया जायेगा। इसके लिए संकल्प लिया गया। ब्राह्मण समाज को संगठित करने हर सुख और दुख हर कार्यक्रमों मे सहभागी होने ब्राम्हण समाज को एकता के सूत्र मे बांधने का प्रण लिया गया। यह संपूर्ण जानकारी नवयुवक ब्राम्हण समाज बसना के सह सचिव बसंत देवता के द्वारा दिया गया।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जनदर्शन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों की सुनी मांग एवं समस्याएं

जनदर्शन में आज कुल 74 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा //समय दर्शन // कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को संवेदनशीलता से सुना। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज 74 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में तहसील बलौदा अंतर्गत ग्राम जर्वे ब निवासी श्रीमती रूखमणी द्वारा राजस्व प्रकरण में त्रुटि सुधार करवाने, श्री नरेन्द्र कुमार द्वारा मुर्गी पालन करने हेतु ऋण दिलवाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम मेऊ निवासी श्री रामेश्वर खांडे द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ दिलाने, तहसील जांजगीर अंतर्गत ग्राम बसंतपुर निवासी श्री बिसाहू राम साहू द्वारा मुआवजा राशि दिलाने, तहसील शिवरीनारायण अंतर्गत ग्राम कचंदा निवासी श्रीमती सुमन साहू द्वारा नया राशनकार्ड बनवाने, श्री बुटालू राम रात्रे द्वारा प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, तहसील अकलतरा के ग्राम बिरकोनी निवासी श्री ललित सिंह द्वारा किसान किताब बनवाने एवं ऑनलाइन नाम दर्ज करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

बजट 2026-27 गांव से शहर तक विकास का स्वर्णिम अध्याय लिखेगा - जितेन्द्र वर्मा

दुर्ग। राज्य बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2026-27 छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम है।

भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपए का "SANKALP" बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बस्तर से लेकर सरगुजा तक सौगातों की झड़ी लगा दी है। बजट में प्रत्येक समाज के साथ-साथ युवाओं से लेकर महिलाओं-बुजुर्गों का ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए 1725 करोड़, जल जीवन मिशन 3000 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2000 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान 1500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास शहरी 825 करोड़, प्रधानमंत्री फसल बीमा 820 करोड़, महिलाओं के नाम पर संपत्ति क्रय में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट, छत्तीसगढ़ युवा दर्शन हेतु 5 करोड़, मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन हेतु 100 करोड़, प्रतियोगी परीक्षा के लिए 33 करोड़, कृषक उन्नति योजना हेतु 10,000 करोड़, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना हेतु 600 करोड़, लोकनिर्माण विभाग में 9,450 करोड़, मुख्यमंत्री आदर्श शहर योजना समृद्धि योजना 200 करोड़, महतारी वंदन योजना 8200 करोड़, मुख्यमंत्री खाद्यान्य योजना 6500 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण 4000 करोड़, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में 1500 करोड़, समग्र शिक्षा अभियान हेतु 1500 करोड़, विकसित भारत जी राम जी योजना के लिए 4000 करोड़ के प्रावधान सहित छत्तीसगढ़ राज्य के सभी वर्गों व क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। यह बजट छत्तीसगढ़ के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

भाजपा प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा ने आगे कहा कि यह बजट विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करता है>

प्राचार्य सम्मेलन राजधानी में संपन्न

रायपुर (समय दर्शन)। श्री श्री विश्वविद्यालय ने राजधानी में संकल्प-2047 शीर्षक से प्राचार्य सम्मेलन का सफल आयोजन किया, जिसमें उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सहभागिता की। यह सम्मेलन सार्थक संवाद और सहयोग के उद्देश्य से आयोजित किया गया।मूल्य-समृद्ध समाज के निर्माण की परिकल्पना प्रतिभागियों ने शिक्षकों के कल्याण को सुदृढ़ करने के इस संरचित दृष्टिकोण की सराहना की, जिसे विद्यार्थियों के बेहतर परिणामों से जोड़ा गया। सभा को संबोधित करते हुए श्री श्री विश्वविद्यालय के कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्यने शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ मूल्यों के समावेशन की आवश्यकता पर बल दिया और शिक्षा के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को गहरे मानवीय स्तर पर सशक्त बनाकर तनाव-मुक्त एवं मूल्य-समृद्ध समाज के निर्माण की परिकल्पना को दोहराया।

उच्च शिक्षा में सकल नामांकन- प्रबंधन अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. डॉ. बिप्लब कुमार बिस्वाल ने कहा कि शिक्षा प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का माध्यम है, और भारत विश्व के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने उभरते करियर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन के परिवर्तनकारी प्रभाव पर भी चर्चा की तथा वर्ष 2035 तक उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीअर) को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के राष्ट्रीय लक्ष्य का उल्लेख किया।

युवा पीढ़ी में अंतर्ज्ञान और चेतना के विकास हेतु एक सार्थक पहल - विश्वविद्यालय के आईसीटी प्रमुख जयेश दौलतजादा ने स्ट्रेस टू स्ट्रेंथ विषय पर बोलते हुए व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में तनाव प्रबंधन के लिए दैनिक दिनचर्या में सरल श्वास तकनीकों को अपनाने की वकालत की। आर्ट ऑफ लिविंग की संकाय सदस्य पूजा जिंदल ने 'इंट्यूशन प्रोसेस' को युवा पीढ़ी में अंतर्ज्ञान और चेतना के विकास हेतु एक सार्थक पहल बताया, जो उनकी एकाग्रता, प्रतिभा और बौद्धिक विकास को सुदृढ़ करता है।

शिक्षाविदों का मंथन: समावेशी और मानवीय शिक्षा व्यवस्था का संकल्प- सम्मेलन के प्रतिभागी शिक्षकों ने अपने-अपने संस्थानों में व्यावहारिक रणनीतियों को लागू कर संकल्प-2047 के दृष्टिकोण-एक प्रगतिशील, समावेशी और मूल्य-आधारित शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को साकार करने का प्रण लिया।

विश्वविद्यालय के नेतृत्व टिम् से कुलाध्यक्षा प्रो. राजिता कुलकर्णी, कुलपति प्रो. डॉ. तेज प्रताप,कार्मिक निदेशक स्वामी सत्य चैतन्य, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. डॉ. अनिल कुमार शर्मा तथा मानव संसाधन उपनिदेशक श्री ज्योति रंजन गडनायक प्रमुख कार्यक्रम की सफलतापूर्वक संपन्नता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजन दल के प्रयासों की सराहना कार्यक्रम की सुचारु व्यवस्था और सफलता जनसंपर्क एवं प्रवेश विभागों के संयुक्त प्रयासों से संभव हुई, जिसमें मीडिया संचार प्रबंधक हितांशु शेखर मोहंता ने संकल्प-2047 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मीडिया समन्वय एवं संचार रणनीतियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग अपेक्स सदस्य सुधाकर राव, जिला शिक्षक समन्वयक महेन्द्र गुप्ता, जोन शिक्षक समन्वयक नीति मिश्रा एवं आर्ट ऑफ लिविंग राज्य मीडिया समन्वयक दीपेन्द्र दीवान की महत्त्वपूर्ण और सक्रिय भागिदारी रही।

खेल से सुदृढ़ होता है राष्ट्र निर्माण – उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

रायपुर। प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई में चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 का सोमवार को विधिवत शुभारंभ उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ खेल और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला।

यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 24 से 27 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में देशभर की पुलिस एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कुल 30 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें लगभग 450 खिलाड़ी शामिल हैं। विशेष बात यह है कि 10 राज्यों के 30 से अधिक ओलंपिक, वर्ल्ड कप, एशियन गेम्स और साउथ एशियन गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें अर्जुन पुरस्कार विजेता असम के डीएसपी श्री जनता तालुकार एवं राजस्थान के डीएसपी श्री रजत चौहान भी प्रतियोगी के रूप में शामिल हुए।

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि पुलिस बल केवल कानून – व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि खेल और अनुशासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय स्तर की इस प्रतियोगिता से पुलिस बलों के बीच समन्वय, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को मजबूती मिलेगी। छत्तीसगढ़ को इसकी मेजबानी मिलना राज्य के लिए गर्व का विषय है।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने कहा कि खेल गतिविधियां पुलिस बलों में शारीरिक दक्षता, मानसिक संतुलन और अनुशासन को मजबूत करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को निष्पक्षता एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की।

इस कार्यक्रम में दुर्ग नगर की महापौर श्रीमती अलका बाघमार, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, एडीजी श्री एस.आर.पी. कल्लूरी, एडीजी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल श्री विवेकानंद सिन्हा, आईजी श्री ओ.पी. पाल, आईजी श्री अजय यादव, आईजी श्री अभिषेक शांडिल्य, आईजी श्री बी.एस. ध्रुव, डीआईजी श्री कमलोचन कश्यप, डीआईजी श्री एम.आर. आहिरे, डीआईजी मध्य रेंज एवं आयोजन सचिव श्री सदानंद कुमार, डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग श्री विजय अग्रवाल, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री राठौर तथा प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के डीआईजी कमांडेंट एवं पुलिस खेल अधिकारी श्री राजेश कुकरेजा सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही पद्मश्री सम्मानित समसाद बेगम, श्री भारती बंधू, श्री आलोक निरंजन एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम भी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

06 असामाजिक तत्व जेल निरुद्ध, 05 माह से फरार 02 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप मित्तल के नेतृत्व में आगामी होली पर्व के मद्देनज़र क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना तिल्दा-नेवरा, थाना धरसींवा एवं थाना विधानसभा पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

परिशांति भंग करने वाले 06 असामाजिक तत्व जेल निरुद्ध

थाना तिल्दा-नेवरा क्षेत्र के मोहभट्ठा पारा नेवरा, पुरानी बस्ती तिल्दा, सासाहोली एवं ग्राम टंडवा में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन विवाद एवं मारपीट किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संबंधित व्यक्तियों को समझाने का प्रयास किया गया, किंतु वे उग्र होकर शांति भंग करने एवं मारपीट पर उतारू हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कुल 06 आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल निरुद्ध किया गया। थाना तिल्दा-नेवरा के अपराध क्रमांक 554/2026, धारा 333, 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस के प्रकरण में वर्ष 2025 में गणेश विसर्जन के दौरान आरोपियों द्वारा प्रार्थी के घर में जबरन प्रवेश कर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी एवं मारपीट कर चोट पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। घटना के पश्चात आरोपी फरार होकर गिरफ्तारी से बचते रहे। दिनांक 23.02.2026 को विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर घेराबंदी कर दोनों आरोपी विवेक वर्मा एवं योगेश सेन को गिरफ्तार किया गया। विधिसम्मत कार्यवाही उपरांत उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा गया।

माननीय न्यायालय द्वारा जारी स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 07 वारंटियों को उनके निवास स्थान से हिरासत में लेकर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार सभी 07 वारंटियों को जेल दाखिल किया गया। इसी प्रकार, थाना धरसींवा क्षेत्र के 13 सक्रिय चाकूबाजों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई तथा उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा गया।

50 किलोग्राम गांजा व नगदी रकम के साथ गांजा की तस्करी मामले में 01 अन्य आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर किया गया आरोपी राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन को उड़ीसा से गिरफ्तार। आरोपी द्वारा पैडलर के रूप में कार्य कर अपने खाते में रूपये लेकर मादक पदार्थ दिलाने का करता था काम। आरोपी के कब्जे से 02 नग मोबाइल किया गया है जप्त। पूर्व में 02 आरोपी को किया जा चुका है गिरफ्तार। थाना सिविल लाईन पुलिस एवं क्राईम टीम द्वारा की गई कार्यवाही। आरोपियों के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 88/2026 धारा 20(सी), 29 नारकोटिक एक्ट के तहत की गई है कार्यवाही। विवरण:- दिनांक 14.02.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ था कि थाना सिविल लाइन क्षेत्रांतर्गत केनाल रोड स्थित दुर्गा मंच के पीछे खाली मैदान में एक चारपहिया वाहन में सवार दो व्यक्ति अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री के उद्देश्य से ग्राहक का इंतजार कर रहे है। जिस पर उक्त स्थान में रेड कार्यवाही कर आरोपी हृषिकेश उर्फ ऋषिकेश उर्फ ऋषि सरोज एवं हिमांशु दामले को पकड़कर उनके कब्जे से 50 किलोग्राम गांजा एवं नगदी रकम 02 लाख रूपये जप्त कर अग्रिम कार्यवाही किया गया था। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ तथा फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर अन्य संलिप्त आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में प्रकरण में संलिप्त पैडलर राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन के संबंध में इनपुट प्राप्त हुआ। जिस पर आरोपी राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन को उड़ीसा से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 नग मोबाइल फोन जप्त कर अग्रिम कार्यवाही किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

राजकिशोर बेहरा उर्फ मिलन पिता संतोष बेहरा उम्र 31 साल पता ग्राम बालीगुड़ा, शासकीय प्राथमिक स्कूल के सामने, थाना बालीगुड़ा, जिला फुलवानी उड़ीसा।

एचडीएफसी बैंक ने गुवाहाटी में नई टेक और डिजिटल फैक्ट्री का शुभारंभ किया

गुवाहाटी: भारत के निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज गुवाहाटी में अपनी नई टेक और डिजिटल फैक्ट्री का शुभारंभ किया। यह सुविधा असम में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, इनोवेशन और टैलेंट इनक्यूबेशन के लिए एक सेंटर के तौर पर काम करेगी, जिससे स्टेट में एआई डिजिटल और साइबर सिक्योरिटी टैलेंट पूल को मजबूत करने में मदद मिलेगी। यह सुविधा बैंक की असम में पहली और देश भर में चौथी है। बैंक की अभी मुंबई, बेंगलुरु और गुरुग्राम में टेक और डिजिटल फैक्ट्रियां हैं।

इस सुविधा का उद्घाटन असम के माननीय मुख्यमंत्री, डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने एचडीएफसी बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर श्री कैज़ाद भरूचा, बैंक के चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर श्री रमेश लक्ष्मीनारायण असम सरकार के गणमान्य लोगों और एचडीएफसी बैंक के अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में किया। यह सुविधा राज्य में स्किल्ड प्रोफेशनल्स को करियर के मौके भी देगी, जिससे वे अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में सीधे योगदान दे सकेंगे। बैंक असम और आस-पास के राज्यों से लोकल टेक टैलेंट का फ़ायदा उठाकर टेक और डिजिटल फ़ैक्टरी के लिए अपनी क्षमताओं को मज़बूत करेगा। इसका मकसद एआई, क्लाउड, डेटा और कोर इंजीनियरिंग ट्रैक में कोर टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाना है, ताकि स्टेट में डिजिटल प्रोडक्ट बनाने की क्षमता को खोला जा सके।

एचडीएफसी बैंक ने असम के माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एडवांटेज असम 2.0 के हिस्से के तौर पर असम सरकार के साथ पार्टनरशिप की है। इस सांझी पहल के तहत एचडीएफसी बैंक और असम सरकार बीएफएसआई और फिनटेक सेक्टर से जुड़े एक स्ट्रक्चर्ड स्किल-बिल्डिंग करिकुलम के ज़रिए इंडस्ट्री एक्सपर्टीज़ के साथ एकेडमिक नॉलेज को बढ़ाना चाहते हैं। कैंपस-टू-कॉर्पोरेट कॉम्पिटेंसी पर केंद्रित, यह प्रोग्राम बैंकिंग और फिनटेक इंडस्ट्री में नौकरी की ज़रूरतों के हिसाब से है। करिकुलम में ज़रूरी बैंकिंग नॉलेज और नए ज़माने के आईटी डोमेन शामिल हैं।

यह प्रोग्राम सितंबर 2025 में शुरू हुआ था और अभी 150 से ज़्यादा स्टूडेंट्स को प्रोग्राम के ग्रुप के हिस्से के तौर पर ट्रेनिंग दी जा रही है। स्टूडेंट्स को एचडीएफसी बैंक के सीनियर एग्जीक्यूटिव से इंडस्ट्री से जुड़ी नॉलेज और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस मिलेगा।

जो स्टूडेंट्स इस प्रोग्राम का हिस्सा हैं, उन्हें एचडीएफसी बैंक के साथ 2 – 4 महीने की इंटर्नशिप करनी होगी, जिससे उन्हें कॉर्पोरेट माहौल में असल दुनिया के हालातों में एकेडमिक और टेक्नोलॉजी कॉन्सेप्ट को लागू करने का एक्सपीरियंस मिलेगा। इस कोर्स के लिए स्टूडेंट्स को कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं देना होगा।

टूज़ोन सोलर ने छत्तीसगढ़ के बाजार में रखा कदम, भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के प्रति अपने संकल्प को किया मजबूत

रायपुर: भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली कंपनी 'सनटेक एनर्जी सिस्टम्स' के प्रमुख ब्रांड 'टूज़ोन सोलर' (Truzon Solar) ने छत्तीसगढ़ के लिए 'मेटालोन इंडिया' को अपना 'एक्सक्लूसिव मास्टर डीलर' नियुक्त करने की घोषणा की है। इस साझेदारी के साथ ट्रुज़ोन सोलर ने आधिकारिक तौर पर छत्तीसगढ़ के बाजार में प्रवेश कर लिया है। इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य राज्य में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और भारत के तेजी से बढ़ते सौर ऊर्जा बाजारों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर सीएसपीडीसीएल के कार्यकारी निदेशक श्री एस. के. गजपाल, टूज़ोन सोलर के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री भवानी सुरेश, ट्रुज़ोन सोलर के सीईओ श्री जक्कुला श्रीनिवास और मेटालोन इंडिया की संस्थापक सुश्री सस्मिता कर उपस्थित थी। उनकी सामूहिक उपस्थिति प्रगतिशील शहरी शासन और शाश्वत ऊर्जा समाधानों के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शाती है, जो भविष्य के शहरों के निर्माण में स्वच्छ ऊर्जा के महत्व पर जोर देती है।

कंपनी व्दारा उठाए गए इस रणनीतिक कदम के महत्व को रेखांकित करते हुए टूज़ोन सोलर के संस्थापक और प्रबंध निदेशक भवानी सुरेश ने कहा, 'छत्तीसगढ़ में मेटालोन के साथ यह साझेदारी केवल व्यावसायिक विस्तार तक सीमित नहीं है; बल्कि यह छत्तीसगढ़ में एक लचीली और भविष्योन्मुखी अक्षय ऊर्जा आधारित पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह विस्तार केवल दायरे को बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि संबंधित पक्षों के साथ जमीनी स्तर पर काम करते हुए निरंतर मूल्य प्रदान करने के लिए एक उचित कार्यप्रणाली स्थापित करने के बारे में है।'

टूज़ोन सोलर के सीईओ जक्कुला श्रीनिवास ने कहा, हमने सौर ऊर्जा के विकास में हमेशा अपार संभावनाएं देखी हैं। मेटालोन इंडिया के साथ हमारी साझेदारी कार्यान्वयन में उत्कृष्टता और दीर्घकालिक मूल्य निर्माण के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। इसमें हमारे इंजीनियरिंग कौशल और क्षेत्रीय मजबूती का मेल है। साथ ही, हम एक विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले सौर बुनियादी ढांचे की नींव रख रहे हैं, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को मजबूती देगा और शाश्वत आर्थिक विकास में योगदान देगा। टूज़ोन सोलर को छत्तीसगढ़ में बाजार की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी का लक्ष्य अपने मुख्य वितरक के माध्यम से बिक्री और सेवा में भारी वृद्धि करना है। आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों में सौर ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए, कंपनी की वर्तमान 205 मेगावॉट की स्थापित क्षमता को 2028 तक दोगुना करने की योजना है। छत्तीसगढ़ के बाद, कंपनी ने आने वाले महीनों में उत्तर प्रदेश, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में विस्तार की रणनीति बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

Galaxy AI ने मल्टी-एजेंट इकोसिस्टम का किया विस्तार; यूज़र्स को मिलेंगे अधिक विकल्प और बेहतर नियंत्रण

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपने गैलेक्सी इकोसिस्टम में गैलेक्सी AI का विस्तार करते हुए मल्टी-एजेंट इकोसिस्टम को और मजबूत करने की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य यूज़र्स को अधिक विकल्प, और बेहतर नियंत्रण देना है, ताकि वे अपने दैनिक कार्य कम मेहनत और अधिक स्वाभाविक तरीके से पूरे कर सकें।

कंपनी के अनुसार, अब लोग अलग-अलग कामों के लिए कई तरह के AI एजेंट्स का उपयोग कर रहे हैं। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 10 में से लगभग 8 यूज़र्स दो या उससे अधिक AI एजेंट्स पर निर्भर हैं। इसी बदलाव को देखते हुए, सैमसंग गैलेक्सी AI को इस तरह विकसित कर रहा है कि यूज़र अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से अलग-अलग इंटीग्रेटेड एआई अनुभवों को चुन सकें। गैलेक्सी AI को ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर गहराई से जोड़ा गया है। यह केवल किसी एक ऐप तक सीमित रहने के बजाय पूरे डिवाइस के सिस्टम लेवल पर काम करता है। यह यूज़र की जरूरतों को समझते हुए ज्यादा स्वाभाविक और सरल इंटरैक्शन सुनिश्चित करता है।

इससे बार-बार ऐप बदलने या एक ही कमांड को बार-बार दोहराने की जरूरत नहीं पड़ती और एआई बैकग्राउंड में बिना किसी रुकावट के काम करता रहता है। साथ ही, सैमसंग अपने अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए परप्लेक्सिटी जैसी सहायक सेवाओं को भी जोड़ रहा है, ताकि पूरा गैलेक्सी इकोसिस्टम एक जैसा और सहज महसूस हो। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (MX) बिजनेस के प्रेसिडेंट और आर एंड डी हेड, वॉन-जून चोई ने कहा, हम एक खुले और समावेशी एआई इकोसिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यूज़र्स को जटिल कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए अधिक विकल्प और

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने RuPay ऑन-द-गो कार्ड्स के लिए इंस्टैंट NFC-बेस्ड बैलेंस अपडेट लॉन्च किया

आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने अपने RuPay NCMC ऑन-द-गो कार्ड्स पर इंस्टैंट ह्स्नष्ट-बेस्ड बैलेंस अपडेट फीचर पेश किया। अब ग्राहक अपने कार्ड का बैलेंस ह्स्नष्ट पॉवर्ड एन्ड्रॉयड स्मार्टफोन परकार्डकोटैप करके तुरंत चेक और अपडेट कर सकते हैं, जिससे मेट्रो स्टेशन के कियोस्क जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी औरएकसहज, पूरी तरह से डिजिटल यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा। यह फीचर एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कुछ महीने पहले पेश करके इसके वास्तविक उपयोग की जानकारी एकत्रित की थी तथा ग्राहकों का फीडबैक लिया था। इस पायलट में ग्राहकों ने इसे बहुत पसंद किया तथा इसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इससे साबित हो गया कि यह फीचर यूज़र्स के लिए काफी दैनिक उपयोगिता रखता है। यूज़र्स का पॉज़िटिव फीडबैक मिलने के बाद अब बैंक इसे अपने RuPay ऑन-द-गो कार्ड्स के सभी यूज़र्स के लिए लॉन्च कर रहा है। इससुविधाकेसाथ, यात्री एयरटेल थैंक्स ऐप पर अपने बैंक खाते या वॉलेट में लॉगइन करने के बाद, अपनेलिंककिएगए NFC-इनेबल्ड एंड्रॉइड स्मार्टफोन पर कार्ड टैप करके अपने कार्ड बैलेंस को रियल टाइम में अपडेट या चेक कर सकते हैं। कार्ड ऑर्डर करने और रिचार्ज करने से लेकर बैलेंस को तुरंत अपडेट या चेक करने तक, पूरी प्रक्रिया अब पूरी तरह से डिजिटल, बिना कतार के और बेहद आसान है।

एयरटेल ने बड़े पैमाने पर डिजिटल एनबीएफसी प्लेटफॉर्म स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की

नई दिल्ली: भारत की अग्रणी टेलीकम्युनिकेशंस सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों में से एक भारती एयरटेल ने आज अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इकाई एयरटेल मनी लिमिटेड के लिए बड़ी योजनाओं की घोषणा की। यह कदम भारत में ऋण उपलब्धता की कमी को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एनबीएफसी सहायक कंपनी को आने वाले कुछ वर्षों में कुल 20,000 करोड़ रुपये की पूंजी से सशक्त किया जाएगा। इसमें एयरटेल 70 प्रतिशत निवेश करेगी, जबकि शेष 30 प्रतिशत राशि प्रमोटर समूह के माध्यम से भारती एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा निवेश की जाएगी।

एयरटेल के पास मजबूत डिजिटल संपत्तियां, 500 से अधिक डेटा वैज्ञानिकों द्वारा संचालित बड़े डेटा और एनालिटिक्स इंजन तथा व्यापक संचालन अनुभव है। इन्हीं क्षमताओं के आधार पर एयरटेल पूरे देश में आसान, सुरक्षित और नई तरह की डिजिटल वित्तीय सेवाएं तेजी से लोगों तक पहुंचाना चाहती है।

पिछले दो वर्षों में एयरटेल ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म और एकीकृत चैनलों के आधार पर एक उच्च क्षमता वाला क्रेडिट इंजन विकसित किया है, जिसके परिणामस्वरूप देश के सबसे मजबूत लेंडिंग सर्विस प्रोवाइडर (एलएसपी) मॉडल में से एक तैयार हुआ है।

यह प्लेटफॉर्म पहले ही बड़े स्तर पर अपनाया जा चुका है और अब तक 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित कर चुका है। सख्त जांच प्रक्रिया, संतुलित लोन प्रबंधन और रियल टाइम जोखिम निगरानी की वजह से लोन न चुकाने के मामले बेहद कम रहे हैं और उद्योग के सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप नियंत्रित रहे हैं। भारती एयरटेल के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने कहा, पिछले दो वर्षों में हमारे एलएसपी प्लेटफॉर्म की सफलता इस बात का प्रमाण है कि हम तकनीक, डेटा और ग्राहकों के भरोसे को जोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव डालने में सक्षम हैं। हमने देश के सबसे भरोसेमंद और विस्तार योग्य डिजिटल क्रेडिट इंजनों में से एक तैयार किया है, जो लाखों लोगों तक उच्च गुणवत्ता वाला ऋण पहुंचा रहा है और यह उद्योग के उच्च मानकों पर खरा उतरा है। हमारा एनबीएफसी विस्तार इस मजबूत नींव को और मजबूत करेगा। यह दिखाता है कि हम एक अलग पहचान वाला और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल लोन कारोबार बनाना चाहते हैं, जो भरोसे, नई सोच और ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने पर आधारित होगा। एयरटेल मनी को 13 फरवरी 2026 को भारतीय रिजर्व बैंक से एनबीएफसी लाइसेंस प्राप्त हुआ। भारत के तेजी से बढ़ते वित्तीय सेवा क्षेत्र में यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि एयरटेल अधिक से अधिक लोगों तक औपचारिक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने और अब तक वंचित रह गए ग्राहकों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

कांग्रेस को सबक लेना चाहिए

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि समर्थन आधार बढ़ाने की कोई कार्ययोजना उसके पास नहीं है। उसके नेता और कार्यकर्ता राजनीति की धूल-धक्कड़ में नहीं उतरना चाहते। वे नफ़ासत से सियासत करते हैं, जिसका परिणाम जनाधार का सिकुड़ते जाना है। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में कांग्रेस के साथ सत्ता साझा करने की संभावना से दो टूक इनकार कर इंडिया एलायंस को वैसे विवाद से बचा लेने की कोशिश है, जिसका भारी नुकसान इस समूह को कई राज्यों में उठाना पड़ा। गौरतलब है कि हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश लेकर बिहार तक- ऐसे विवाद में समान पात्र कांग्रेस रही। मध्य प्रदेश और हरियाणा में गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने की अपनी हैसियत को जताते हुए टिकट बंटवारे में उसने समाजवादी पार्टी या अन्य छोटे दलों की मांगों को सिरे से ठुकरा दिया। महाराष्ट्र और बिहार में अधिक सीटों पर उम्मीदवारी पाने के लिए सबसे बड़े दल पर उसने कई कोण से दबाव बनाए, जिसे बदमजगी पैदा हुई। दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरे को समर्थन देने में उसने हील-हुज्जत की, जिससे गठबंधन में बिखराव का संदेश गया। अब वही तरीका तमिलनाडु की कांग्रेस इकाई ने कुछ समय पहले से अपनाया हुआ था। चुनाव लड़ने के लिए अधिक सीट और चुनाव के बाद अगर सत्ता मिली, तो सरकार में मंत्री पद का पहले से वादा- कांग्रेस की इन दो मांगों से गठबंधन के अंदर खींचतान का माहौल बन रहा था। डीएमके ने दोनों मांगों को ठुकरा दिया है। इस तरह अब यह कांग्रेस पर है कि वह राज्य में फिलहाल सत्ताधारी गठबंधन में रहे या नहीं। लोकतंत्र में सत्ता में आने की अपेक्षा रखना उचित ही है। लेकिन सत्ता मिलना या ना मिलना समर्थन आधार की ताकत से तय होती है। कांग्रेस की मुश्किल यह है कि समर्थन आधार बढ़ाने की कोई कार्ययोजना उसके पास नहीं है। संभवत: कांग्रेस नेतृत्व को इसकी चिंता भी नहीं है। उसके नेता और कार्यकर्ता राजनीति की धूल-धक्कड़ में नहीं उतरना चाहते। वे नफ़ासत से सियासत करते हैं, जिसका परिणाम जनाधार का सिकुड़ते जाना है। ऐसे में अधिकांश राज्यों में सहयोगी दलों की पीठ पर सवारी उनकी मजबूरी बन गई है। मगर इसमें भी वे अपनी शर्तें थोपना चाहते हैं। इसका खराब तजुर्बा सहयोगी दलों को हुआ है। मगर वैसे अनुभव से गुजरने से डीएमके ने इनकार किया है, तो कांग्रेस को उससे सबक लेना चाहिए।

ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ

हरिशंकर व्यास

तो आज का वक्त भारत का सेनापति बेचारा (थलसेना प्रमुख-जनरल एमएम नरवणे) 'सबसे ऊपर से'.. आदेश की प्रतीक्षा के अनुभव वाला। अंत में जवाब - जो उचित समझो, वह करो। कितनी गंभीर बात। तभी विचार करें नेहरू के बनाए भारत और जिन्ना के बनाए पाकिस्तान में क्या फर्क है? नेहरू की जिद् थी कि सिविल सरकार से सेना आदेश लेगी। जबकि जिन्ना ने दिमाग नहीं लगाया। नतीजतन पाकिस्तान में रिवाज है सेना देगी सिविल सरकार को आदेश। वह चलाएगी सरकार।इस फर्क को क्या नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल, राजनाथ सिंह, अमित शाह, जयशंकर या संघ परिवार के लाठीधारी जानते हैं? चलिए आज आपको राहुल गांधी के पुरखे जवाहरलाल नेहरू की समझ का एक प्रमाण दें। वह सबूत, जिससे पाकिस्तान में सैनिक सर्वशक्तिमान है वही लोकतांत्रिक भारत भयाकुल सिविलियन नरेंद्र मोदी से शासित है। नेहरू आजादी से पहले अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। वायसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे। वह कार्यकारिणी देश के प्रशासन का बिंदु थी। उसमें ब्रितानी सेना के प्रमुख की सदस्यता अनिवार्य थी। पर नेहरू ज्योंहि उपाध्यक्ष बने उनका निर्णय था नागरिक व्यवस्था, राजनीतिक निर्णयों की बैठकों में सेना प्रमुख का क्या काम! वह सदस्य नहीं होगा। उन्होंने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख को सदस्य नहीं बनाने की अनुशंसा की। नेहरू ने साफ स्टैंड लिया कि शासन-प्रशासन से सेना को दूर रखा जाना चाहिए, ताकि सत्ता का संतुलन नागरिक नेतृत्व के अधीन रहे। तब नेहरू और कांग्रेस नेताओं को बोध था कि भारत में विदेशी शासन सैन्य छावनियों के बल पर था। सो, भविष्य के लोकतांत्रिक भारत में सेना को शासन से दूर रखने का निर्णय हुआ। और नेहरू ने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख के स्थान पर सेना के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में नेता सरदार बलदेव सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया। फिर वह हरसंभव प्रयास किया, जिससे सेनाध्यक्ष की प्रशासनिक मामलों से दूरी बनी। वह हस्तक्षेप न हो और न ही नीतिगत निर्णयों में निर्णयकर्ता या भागीदार बने। लोकतंत्र को स्थिर, टिकाऊ बनाए रखने के लिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर एक कैबिनेट समिति का गठन किया। इसी से नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच एक संस्थागत संतुलन स्थापित हुआ। इसके अलावा, नेहरू ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के कार्यकाल को निश्चित अवधि का बनाया, जिससे सैन्य पदों पर अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव को रोका जा सके। सेवानिवृत्त सेना प्रमुखों, जैसे जनरल करियप्पा, को दूरस्थ देशों में राजदूत नियुक्त किया। मतलब सैन्य नेतृत्व की राजनीतिक सत्ता से दूरी बनाए रखने की परंपरा बनाई। खुफिया एजेंसियों के माध्यम से निगरानी तंत्र विकसित किया। तभी नेहरू से मोदी के सत्ता में आने तक हर सरकार ने तीनों सेनाओं के प्रमुख अलग-अलग रखे। चीन के हमले के बाद तीनों सेना के कमान से ऊपर एक प्रमुख की नियुक्ति की सलाह दी जाती रही। लेकिन भारत के सभी प्रधानमंत्रियों ने नेहरू की इस समझ को अपनाए रखा कि एक शक्तिशाली सैन्य पद लोकतंत्र के लिए खतरा बन सकता है। उस सोच-सावधानी को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का पद (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस) बना कर और सन् 2020 में जनरल रावत को नियुक्त कर खत्म किया। शायद इसलिए क्योंकि गुजरात से आए नरेंद्र मोदी ने अपनी कमी (सीधे बात करने, निर्देश देने, कैबिनेट में रियल विचार विमर्श निर्णय की क्षमता, विश्वास में कमी) को ढकने के लिए सीएमओ के ढर्रे पर खास-विश्वस्त एनएसए अजित डोवाल, पीएमओ के प्रमुख सचिव, विश्वस्त अमित शाह की कमांड बनाई तो सेना के लिए भी एक विश्वस्त की जरूरत थी।

वीडियो खेल बच्चों को बना रहे हैं आतंकी

प्रमोद भार्गव

अमेरिकी दैनिक न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर के अनुसार माइनक्राफ्ट और रोबलॉक्स जैसे लोकप्रिय वीडियो खेल किशोर और बालकों को आतंकी बनाने का मानवता विरोधी काम कर रहे हैं। अतएव आपके लाड़ले को यदि मोबाइल पर गेम खेलने की लत लग गई है तो होशियार हो जाइए, क्योंकि अब बच्चों को इन खेलों के जरिए आंतकवाद का पाठ पढ़ाए जाने का खतरनाक सिलसिला शुरू हो गया है। इन प्रशिक्षित नाबालिगों को बाद में आतंकवादी संगठनों और नफ़रत फैलाने वाले समूहों में भर्ती करा दिया जाता है। जिससे ये आतंक और नफ़रत फैलाने के औजार बन जाएं।इस सच्चाई को उजागर करने का काम यूनाइटेड नेशंस की काउंटर-टेररिज्म कमेटी ने किया है। इसके अनुसार यूरोप और उत्तरी अमेरिका में आतंकवाद से जुड़े मामलों में अब 42 प्रतिशत आरोपी नाबालिग हैं। 2021 की तुलना में यह आंकड़ा तीन गुना अधिक है। नीदरलैंड के हेग स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर काउंटर-टेररिज्म के अनुसार यूरोप में 20 से 30 प्रतिशत आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में हुई जांचों में 12-13 साल के बच्चे शामिल पाए गए हैं। अनेक ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए कट्टरपंथी संगठन तेजी से किशोर और बालकों को आतंकी बनाने का खेल खेल रहे हैं। ये प्रशिक्षित बच्चे इस्लामिक आतंकवाद को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। हालांकि भारत में आतंक फैलाने की दृष्टि से बच्चों और किशोरों को आतंकी बनाने का काम पाकिस्तानी सेना अर्से से कर रही है। मुंबई के 26/11/2008 के आतंकी हमले में शामिल अजमल कसाब इसका जीता-जागता उदाहरण रहा है।

इस सच्चाई का खुलासा संयुक्त राष्ट्र भी कर चुका है। पाकिस्तान के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफ़िया एजेंसी आईएसआई के सेवानिवृत्त अधिकारी रहे शाहिद अजीज ने 'द नेशनल डेली' अखबार में पहले ही यह मुद्दा उठा दिया था कि 'कारगिल की तरह हमने कोई सबक नहीं लिया है। हकीकत यह है कि हमारे गलत और जिद्दी कामों की कीमत हमारे बच्चे अपने खून से चुका रहे हैं। हमने इस धंधे को व्यापार का जरिया बना लिया है। वह भी

अपनी ही कौम के किशोर एवं युवाओं के जीवन को दांव पर लगाने का खेल खेलते हुए!'

पूरी दुनिया में इस समय डिजिटल खेलों का कारोबार बढ़ रहा है। इस कारण दुनिया इनके निर्माण और निर्यात में दिलचस्पी ले रही है। नतीजतन इसका रूप दैत्याकार होता जा रहा है। फ़िलहाल विश्व में लोकप्रिय डिजिटल खेलों में मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल), फेंटेसी

स्पोर्ट्स प्लेटफार्म, माइनक्राफ्ट, रोबलॉक्स, ड्रीम-11, कोरियन लवर गेम और लूडो किंग हैं। ये सभी खेल भारत समेत लगभग सभी देशों में उपलब्ध हैं। भारत से संचालित होने वाली खेल कंपनियों में चीन सहित कई देशों की कंपनियों की पूंजी लगी हुई है। इन खेलों के अमेरिका, चीन, भारत, ब्राजील और स्पेन बड़े खिलाड़ी हैं। हाल ही में गजियाबाद में तीन सगी नाबालिग बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया हुआ है। इन बहनों ने ऑनलाइन टास्क बेस्ड कोरियन लवर गेम खेलने की लत लग गई थी।इसी आत्मघाती खेल को खेलते हुए इन बहनों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली थी। इस घटना से साफ होता है कि ये खेल कितने खतरनाक है।

कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ते चलन के चलते दुनिया के विद्यार्थियों की मुट्ठी में एनरॉयड मोबाइल जरूरी हो गया था। मनोविज्ञनी और समाजशास्त्री इसके बढ़ते चलन पर निरंतर चिंता प्रकट कर रहे हैं। पालक बच्चों में खेल देखने की बढ़ती लत और उनके स्वभाव में आते परिवर्तन से चिंतित व परेशान हैं। पालक बच्चों को मनोचिकित्सकों से उपचार कराने के बावजूद लत से मुक्ति दिलाने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। दरअसल बच्चों का मोबाइल या टेबलैट की स्क्रीन पर बढ़ता समय आंखों की दृष्टि को खराब कर रहा है। साथ ही अनेक शारीरिक और मानसिक बीमारियों की गिरफ्त में भी बच्चे आ रहे हैं। पोर्न फ़िल्में भी देखते बच्चे पाए गए हैं। अब ऐसे वीडियो खेल भी आभासी दुनिया के लिए बनाए जाने लगे हैं, जहां खिलाड़ी आतंकी हमलों और गोलीबारी की घटनाओं को दोहरा सकते हैं। 2019 में न्यूजीलैंड की चर्च और मस्जिदों पर हुए हमलों को भी खेलों का हिस्सा बनाया जा रहा है। ये उपाय बच्चों को धार्मिक कट्टरपंथी बनाए जाने की दृष्टि से किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में किशोर और युवाओं को लुभाने के लिए एक्टिव क्लब्स नाम के समूह बनाए जा रहे हैं। ये ऐसे समूह हैं, जो खेलते हुए नस्लीय युद्ध की तैयारी में जुट जाते हैं और नस्लीय भावना से लड़ते दिखाई देते हैं। 27 देशों में फैले इन क्लबों द्वारा 15 से 17 साल के नादान किशोरों को लक्षित किया जा रहा है। इन्हें देखते हुए किशोर अपनी गोरी या काली पहचान से जुड़कर नस्लवादी मानसिकता की गिरफ्त में आकर आतंकी बनने की दिशा में अनायास मुड़ जाते हैं।

ऑनलाइन खेल आंतरिक श्रेणी में आते हैं, जो भौतिक रूप से मोबाइल पर एक ही किशोर खेलता है, लेकिन इनके समूह बनाकर इन्हें बहुगुणित कर लिया जाता है। वैसे तो ये खेल सकारात्मक होते हैं, लेकिन ब्लू व्हेल, पब्जी, माइनक्राफ्ट और रोबलॉक्स जैसे खेल उत्सुकता और जुनून का ऐसा मायाजाल रचते हैं कि मासूम बालक के दिमाग की परत पर नकारात्मकता की पृष्ठभूमि रच देते हैं। मनोचिकित्सकों और स्नायु वैज्ञानिकों का कहना है कि ये खेल बच्चों के मस्तिष्क पर बहुआयामी प्रभाव डालते हैं। ये प्रभाव अत्यंत सूक्ष्म किंतु तीव्र व तीक्ष्ण होते हैं, इसलिए ज्यादातर मामलों में अस्पष्ट होते हैं। दरअसल व्यक्ति की आंतरिक शक्ति से आत्मबल दृढ़ होता है और जीवन क्रियाशील रहता है। किंतु जब बच्चे निरंतर एक ही खेल खेलते हैं तो दोहराव की इस प्रक्रिया से मस्तिष्क कोशिकाएं परस्पर घर्षण के दौर से गुजरती हैं, नतीजतन दिमागी द्वंद्व बढ़ता है और बालक मनोरोगों की गिरफ्त से लेकर नस्लीय गिरफ्त में आता जाता है, जो उसे आतंक की राह में धकेलने का काम कर देते हैं। ये खेल हिंसक और अश्लील होते हैं, इसलिए बच्चों के आचरण में आक्रामकता और गुस्सा देखने में आने लगता है। दरअसल इस तरह के खेल देखने से मस्तिष्क में तनाव उत्पन्न करने वाले डोपाइन जैसे हार्मोनों का स्राव होने लगता है। इस द्वंद्व से भ्रम और संशय की मनस्थिति निर्मित होने लगती है और बच्चों का आत्मविश्वास छीजने के साथ विवेक अस्थिर होने लगता है, जो आत्मघाती कदम उठाने को विवश कर देता है। हालांकि डोपाइन ऐसे हार्मोन भी सृजित करता है, जो आनंद की अनुभूति के साथ सफ़लता की अभिप्रेरणा देते हैं। किंतु यह रचनात्मक साहित्य पढ़ने से संभव होती है,जो अधिकांश पत्र-पत्रिकाओं और घरों से बाहर होता जा रहा है।यह एक चिंतनीय पहलू है।

यकीन हो गया है कि सरेंडर नहीं किए तो मारे जाएंगे

सुनील दास

चाहे छत्तीसगढ़ के नक्सली हों या आसपास के राज्य के नक्सली हों या उनके सबसे बड़े नेता उनको अमित शाह की नकसलियों की सफ़ाया नीति पर प्रभावी अमल से यकीन हो गया है कि वह सरेंडर नहीं करेंगे तो मारे जाएंगे।यही वजह है कि पिछले एक दो साल में कई बड़े नेताओं ने सरेंडर किया ताकि वह जिंदा रहें।जिन बड़े नेताओं ने सरेंडर नहीं किया वह सुरक्षा बलों के हाथों मारे गए हैं। बड़े बड़े नेताओं के मारे जाने के कारण ही नक्सलियों में पहली बार मारे जाने का खौफ पैदा हुआ है। जब बड़े नेता मारे गए तो निचले स्तर के नक्सली नेताओं को एहसास हुआ कि जब बड़े नेता अपनी रक्षा नहीं कर पा रहे हैं तो हमारी रक्षा क्या करेंगे और मारे जाने के खौफ से ही जितने नक्सली मारे गए हैं, उससे ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया है। अमित शाह की यह बड़ी सफ़लता है कि पहले किसी क्षेत्र में नक्सलियों का खौफ हुआ करता था आज दो साल में स्थिति यह हो गई है कि क्षेत्र के नक्सलियों में मारे जाने का खौफ है। अमित शाह ने नक्सलियों में मारे जाने का जो खौफ पैदा किया है, वह इससे पहले किसी राज्य या देश के किसी गृहमंत्री ने पैदा नहीं किया था। राज्यों के कितने ही गृहमंत्री आए गए,देश के कितने ही गृहमंत्री आए गए लेकिन कोई नक्सलियों में मारे जाने का खौफ पैदा नहीं कर सका था।वे सब मानते ही नहीं थे कि नक्सलियों में मारे जाने का खौफ पैदा किया जा सकता है इसलिए वह ऐसा कोई तरीका सोच भी नहीं पाए। अमित शाह से तय कर लिया कि इतने समय में नक्सलियो का सफ़ाया करना है तो योजना बनाई कि कैसे नक्सलियों का उनके गढ़ में घुसकर मारा जा सकता है। सुरक्षा बलों की संख्या को नक्सलियों से ज्यादा किया। इससे सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को घेर कर मारना शुरू किया। कई बड़े नेताओं को घेर कर मार गिराया। इससे एक ओर तो सुरक्षा बलों में भरोसा पैदा हुआ कि हम नक्सलियों का मार सकते हैं और नक्सलियों में डर पैदा हुआ कि अब उनका कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और वह कभी भी मारे जा सकते हैं। अगर अमित शाह ने नक्सलियों में यह खौफ पैदा न किया होता कि वह सरेंडर नहीं करेंगे तो कभी भी, कहीं भी मारे जा सकते हैं, नक्सलियों की संख्या बस्तर सहित कई राज्यों में कम नही हुई होती।नक्सलियों की संख्या बस्तर में कम होने के साथ ही आसपास के राज्यों में भी कम होती गई है तो छत्तीसगढ़ सहित भाजपा शासित राज्यो में नक्सलियों के मारे जाने के कारण और सबसे ज्यादा सरेंडर करने के कारण कम हो गई है।नक्सलियों की संख्या कम होने के कारण बड़े नेताओं के सामने भी स्थिति यह हो गई थी कि वह कुछ करने की स्थिति में नहीं रह गए थे। क्योंकि कुछ करने के लिए आदमियों की जरूरत होती है। वह न पहले जैसे हमला कर पा रहे थे, न नए सदस्य भर्ती कर पा रहे थे, न कहीं ट्रेनिंग दे पा रहे थे, उनके सुरक्षित ठिकाने नष्ट कर दिए गए तो बड़े नेताओं को लगा कि जान तो उनकी अब किस राज्य में बच नहीं सकती उनके सामने भी सरेंडर करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है. यही वजह है कि सबसे बड़े नक्सल नेता देवजी को भी सरेंडर करना पड़ा है। बसवा राजु,माडंवी हिड़मा, चलपति, प्रयाग मांझी,मोडेम बालाकृष्णा,रामचंद्र रेड्डी उर्फराजू दादा,सत्यनारायण रेड्डी उर्फ कोसा दादा, गणेश उइके,जगदीश सुधाकर आदि सरेंडर नहीं करने के कारण मारे जा चुके है,देवजी के सरेंडर करने के बाद अब माना जा रहा हैकि मिसीर बेसरा,व गणेश सहित गिनती के लोग ही बचे हैं। इससे नक्सली संगठन अब नाम को ही बचा है। जहां कहीं नक्सली गिनती के बचे हैं, वह भी सरकार को पत्र लिखकर कह रहे हैं कि वह सरेंडर करना चाहते हैं। बीबीएम के बचे हुए 15 सदस्यों ने गृहमंत्री विजय शर्मा को पत्र लिखकर बताया है कि उन्हें सुरक्षा की गारंटी दी जाए तो वह सरेंडर करना चाहते हैं।अगर यह सरेंडर होता है तो महासमुंद जिला नक्सलमुक्त घोषित किया जा सकता है।राजनांदगांव रेंज में महाराष्ट्र,मप्र,छत्तीसगढ़ जोन(एमएमसी जोन)के माओवाद प्रभावित जिले दिसंबर में ही नक्सलमुक्त हो गए हैं।इसमें खैरागढ़,छुईखदान,गंडई,राजनांदगाव, कबीरधाम जिला शामिल हैं। नक्सलियों के मारे जाने व सरेंडर किए जाने से उम्मीद की जा सकती है कि जहां भी नक्सली बचें है, उन तक बड़े नेताओं के सरेंडर करने से यह संदेश तो पहुंच रहा है कि मारे जाने से अच्छा है कि सरेंडर करना क्योंकि नक्सली संगठन बचा भी रहता है तो आज वह ऐसी स्थिति में नहीं है कि वह कहीं कुछ कर सके क्योंकि उसके पास न पैसा है और न ही पहले जैसा संगठन। जो नक्सली नेता सरेंडर करता है तो वह यही कहता है कि बदलते सामाजिक, आर्थिक,राजनीतिक हालात मे सशस्त्र संघर्ष जारी रखने का कोई औचित्य नहीं रह गया है वह अब संविधान के दायरे में रहकर काम करना चाहते हैं। जब अमित शाह ने नक्सलवाद के खात्मे की तारीख बताई थी को बहुत कम लोगों को लगता था कि ऐसा हो पाएगा लेकिन अब जब इस तारीख को कुछ दिन बचे हैं तो ज्यादातर लोगों को लगता है कि 26 मार्च के पहले ही नक्सलवाद का खात्मा मोटे तौर हो जाएगा।जो अब तक असंभव माना जाता था वह अब संभव लगता है लोगों को।

पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम

अजीत द्विवेदी

वैसे तो अप्रैल में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन सबकी नजर पश्चिम बंगाल पर है। और ऐसा होने के कई कारण है। हालांकि ऐसा नहीं है कि तमिलनाडु का चुनाव कम महत्वपूर्ण है या केरल और असम का चुनाव ज्यादा महत्व का नहीं है। असम और केरल का चुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए जीवन मरण का चुनाव है तो तमिलनाडु डीएमके, अन्ना डीएमके और फिल्म स्टार विजय के लिए बहुत अहम है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर जिस चुनाव का सबसे ज्यादा असर होगा वह पश्चिम बंगाल का है। अगर ममता बनर्जी लगातार चौथी बार चुनाव जीतती हैं तो सिर्फ बंगाल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति प्रभावित होगी और सिर्फ भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए पर ही नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की राजनीति पर भी बड़ा असर होगा।

चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि वह अकेले सभी 294 सीटों पर लड़ेगी। दूसरी ओर वामपंथी पार्टियों का मोर्चा भी अकेले लड़ने की तैयारी कर रहा है। 2016 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति बन रही है। पिछले दो चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चे के बीच सीट एडजस्टमेंट की सहमति बनी थी और दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा था। पिछली बार यानी 2021 में तो फुरफुराशरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेकुलर फ्रंट यानी आईएसएफ के साथ भी सीटों का समझौता हुआ था। इस बार देखने वाली बात होगी कि आईएसएफ की कमान संभाल रहे नौशाद सिद्दीकी क्या फैसला करते हैं। उनका फैसला इसलिए अहम हो गया है क्योंकि इस बार पश्चिम बंगाल में एक मुस्लिम गठजोड़ के अलग से चुनाव लड़ने की संभावना बन रही है। तृणमूल से चुनाव जीते हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी बनाई है।

वे मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हैं और मुस्लिम ध्रुवीकरण के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों एक सभा की तो उसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष इरफान सोलंकी भी शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि हुमायूं कबीर इस बार ओवैसी की पार्टी एमआईएम और बदरूद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीफ से तालमेल करेंगे। अगर आईएसएफ इसमें शामिल हो तो चार मुस्लिम पार्टियों का एक मोर्चा बनेगा। हालांकि इस बीच यह भी खबर है कि सीपीएम के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने भी हुमायूं कबीर से मुलाकात की है। तो क्या लेफ्ट मोर्चा इन मुस्लिम पार्टियों के साथ गठबंधन कर सकता है? जो हो अभी तक यह दिख रहा है कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस की आमने सामने की लड़ाई में कांग्रेस, लेफ्ट और मुस्लिम पार्टियों के मोर्चे की चुनौती है। दूर से एक बहुकोणीय मुकाबला दिख रहा है। हालांकि ऐसा होगा नहीं। चुनाव से पहले बन रहे गठबंधनों की पृष्ठभूमि जानना इसलिए जरूरी है क्योंकि पश्चिम बंगाल में हिंदू और मुस्लिम दोनों वोटों के बंटवारे या ध्रुवीकरण से चुनावी नतीजे तय होते हैं। लगभग 30 फीसदी मुस्लिम आबादी लगभग पूरी तरह से ममता बनर्जी की पार्टी के समर्थन में वोट करती है। दूसरी ओर 70 फीसदी हिंदू आबादी का लगभग 60 फीसदी हिस्सा भाजपा का समर्थन करता है। इसका अर्थ है कि अगर 10 फीसदी और हिंदू वोट भाजपा के साथ जुड़ जाएं तो भाजपा चुनाव जीत जाएगी या अगर 20 फीसदी के करीब मुस्लिम वोट ममता बनर्जी से टूट जाए तब भी भाजपा जीत जाएगी। भाजपा का 38 से 40 फीसदी तक वोट कायम रहने की संभावना इसलिए है क्योंकि पिछले तीन चुनावों में उसे इतना ही वोट मिलता है और उसे इसे और कंसोलिडेट किया है। पिछले चुनाव में कांग्रेस, लेफ्ट और आईएसएफ को साझा तौर पर 12 फीसदी के करीब वोट मिला था। इसमें ज्यादा बड़ा हिस्सा हिंदू वोट का था। ध्यान रहे बांग्ला बोलने वाला हिंदू समुदाय भाजपा के साथ जाने की बजाय ममता बनर्जी या लेफ्ट, कांग्रेस के साथ रहता है। लेकिन इस बार स्थिति बदलने की संभावना है। बांग्लाभाषी हिंदू पहली बार मुस्लिम आबादी को लेकर चिंता में हैं। उनको लग रहा है कि भाषा और संस्कृति की एकता बनाने के चक्कर में बांग्लाभाषी हिंदू पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और अब तृणमूल को वोट देते रहे हैं लेकिन इस बीच राज्य की जनसंख्या संरचना बदल गई और उनके सामने गंभीर खतरे खड़े हो गए हैं। अगर बांग्लाभाषी हिंदू इस मानसिकता में वोट करते हैं तो भाजपा के लिए अवसर बनेगा और राष्ट्रीय स्तर पर हिंदू ध्रुवीकरण मजबूत होगा। अगर चुनिंदा इलाकों में जैसे मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर के मुस्लिम बहुल इलाकों में तृणमूल कांग्रेस को छोड़ कर मुस्लिम आवाम का समर्थन मुस्लिम नेताओं की पार्टियों को मिलता है तो हैदराबाद से शुरू होकर महाराष्ट्र और बिहार तक मुस्लिम नेतृत्व के प्रति मुस्लिम आवाम के बढ़ते रूझान पर मुहर लगेगी। यह ट्रेंड स्थायी रूप से देश की राजनीति को बदलने वाला होगा। ध्यान रहे बिहार में आमने सामने के चुनाव के बावजूद ओवैसी की पार्टी के पांच विधायक जीते। महाराष्ट्र में ओवैसी की पार्टी के करीब एक सौ पार्षद जीते हैं। यह ट्रेंड दिखाता है कि मुस्लिम आवाम के मन में मौजूदा सेकुलर पार्टियों को लेकर संदेह पैदा हो गया है। वे उनकी बजाय सीधे अपना नेतृत्व खड़ा करना चाहते हैं। तभी जहां भी उनको अपना विकल्प मिलता है वे उसे प्राथमिकता देते हैं। जहां विकल्प नहीं है वहां रणनीतिक मजबूरी में कांग्रेस या किसी प्रादेशिक पार्टी का समर्थन करते हैं। अगर ममता बनर्जी की पार्टी को मुसलमानों का समर्थन कम होता है तो इस ट्रेंड की पुष्टि होगी। आगे के चुनावों में देश के दूसरे हिस्सों में भी यह ट्रेंड देखने को मिलेगा।

नेतृत्व के स्तर पर भी पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे का असर देश की राजनीति पर पड़ेगा। अगर ममता बनर्जी चौथी बार जीतती हैं और लगातार दूसरी बार सीधे मुकाबले में भाजपा को हराती हैं तो इसे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के करिश्मे और रणनीति के क्षरण की शुरुआत के तौर पर देखा जाएगा। ध्यान रहे एनडीए के अंदर वैसे भी इस बार भाजपा की स्थिति कमजोर है। पिछले चुनाव में वह अकेले दम पर बहुमत नहीं हासिल कर पाई। नरेंद्र मोदी की सरकार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल में हारने पर सहयोगी पार्टियों का दबाव बढ़ेगा और पार्टी के अंदर भी एक दबाव समूह उभर सकता है। संघ की ओर से दखल बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन अगर पश्चिम बंगाल का किला भाजपा फतह कर लेती है तो फिर राष्ट्रीय राजनीति में वह अजेय हो जाएगी। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व के सामने लंबे समय तक कोई चुनौती नहीं आएगी।

पश्चिम बंगाल के नतीजे का विपक्षी गठबंधन पर भी बड़ा असर होगा। अगर ममता बनर्जी जीतती हैं तो फिर जैसा कि अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा से लड़ने वाली इकलौती नेता के तौर वे स्थापित होंगी। वे दिल्ली कूच करेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती खड़ी होगी। उनके पीछे हटने और ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करने की मांग उठेगी। यह मांग जमीन सचाइयों पर आधरित होगी। इसलिए कांग्रेस भले विरोध करे पर दूसरी पार्टियां इस पर गंभीरता से विचार करेंगी। ध्यान रहे अगले चुनाव तक विपक्षी पार्टियों का सत्ता का सूखा 15 साल का हो जाएगा। ऐसे में वे ममता बनर्जी के ऊपर दांव लगा सकती हैं। अगर कांग्रेस केरल और असम में जीत जाती है और तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन जीतता है तब भी राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर गंभीर चर्चा छिड़ेगी। कुल मिला कर हिंदू ध्रुवीकरण, मुसलमानों के अंदर अपने नेतृत्व की तलाश की बेचैनी और एनडीए व 'इंडिया' ब्लॉक में नेतृत्व के लिहाज से पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम होने वाला है।

भगवान की आरती करने का सही तरीका क्या है?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। मान्यता है कि जिस घर में नियमित पूजा-पाठ होता है, वहां सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। लेकिन कोई भी पूजा बिना आरती के अधूरी मानी जाती है। भगवान की आरती का खास महत्व होता है। यह भक्ति, ध्यान और समर्पण के भाव को दर्शाता है। मान्यता है कि अगर आरती सही विधि और मन से की जाए, तो इससे कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। लेकिन बहुत से कम लोग जानते हैं कि आरती करने का भी एक सही तरीका होता है। चलिए आज जानते हैं कि आरती का सही तरीका क्या है और इससे लाभ क्या है।

अक्सर आपने देगा होगा कि देवी और देवताओं की आरती घी के दीपक या कपूर से करते हैं। इस दौरान संबंधित देवी और देवता की आरती भी गाते हैं और आरती की थाल को देवताओं के सामने घुमाते भी हैं। लेकिन इसे घुमाने का भी तरीका शास्त्रों में बताया गया है।

कितनी बार घुमाएं आरती की थाल

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक आरती की शुरुआत में हमेशा भगवान चरणों से करनी चाहिए। उनके चरणों में थाली को चार बार घुमाना शुभ माना जाता है। इसके तुरंत बाद भगवान की नाभि की ओर दो बार थाल को घुमाना सही माना जाता है। फिर भगवान के चेहरे के सामने आरती करनी चाहिए। इस बार थाल सिर्फ एक बार घुमाना है। आखिरी में भगवान के पूरे शरीर पर आरती की थाली सात बार घुमानी चाहिए। माना जाता है कि इस तरह कुल 14 बार आरती घुमाने से चौदह भुवनों तक आपकी भक्ति पहुंचती है।

आरती करते समय ध्यान रखें ये बातें

- आरती हमेशा खड़े होकर करना चाहिए। बैठकर आरती कभी नहीं करना चाहिए।
- आरती हमेशा झुककर करना चाहिए। इसे भक्ति का प्रतीक माना जाता है।
- आरती की थाली सही धातु की हो- तांबे, पीतल या चांदी की थाली में आरती करें।
- आरती करने के लिए गाय के घी में डूबी हुई रुई की 5 बत्तियों का दीपक जलाएं। इसे पंच प्रदीप कहा जाता है।

आरती से लाभ

- आरती से मन की नकारात्मकता कम होती है और मन शांत होता है।
- आरती के दौरान दीपक और मंत्रों से वातावरण शुद्ध होता है।
- नियमित आरती करने से ध्यान और आत्म-नियंत्रण मजबूत होता है।
- मान्यता है कि नियमित आरती से घर में शांति और शुभता बनी रहती है।

10 मिनट में करें परफेक्ट मेकअप

ऑफिस के लिए हर महिला अपने मुताबिक तैयार होकर जाती है। ऐसे में एक चीज जो सभी में कॉमन होती है वह है मेकअप। मेकअप और ड्रेसिंग सेंस से लड़कियों का आत्म विश्वास काफी बढ़ जाता है। हालांकि, ऑफिस के लिए कैसा मेकअप करें इसे लेकर ज्यादातर लड़कियों को कंफ्यूजन रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार मेकअप डार्क हो जाता है या फिर कई बार बहुत लाइट हो जाता है। ऐसे में आज हम आपको ऑफिशियल मेकअप करने का सही तरीका बता रहे हैं। अगर आप यहां बताए गए मेकअप स्टेप्स को अपनाएंगी तो 10 मिनट में मेकअप करके तैयार हो जाएंगी।

प्राइमर :- एक बार जब आप चेहरा धो कर मॉइश्चराइजर लगा लेते हैं तो अपनी स्किन को तैयार करने और अपने मेकअप को बेहतर दिखाने के लिए प्राइमर का इस्तेमाल करें। प्राइमर बड़े रोमछिद्रों कोकम कर सकता है और आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रख सकता है। इन दिनो कुछ प्राइमर ऐसा भी आ रहे हैं जो फिल्टर वाला लुक देते हैं तो आप इस तरह के प्राइमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

फाउंडेशन :- ऑफिस मेकअप में हल्के और लंबे समय तक टिकने वाले फाउंडेशन का इस्तेमाल करें जो आपकी स्किन के रंग से मैच होता हो।

कंसीलर :- दाग-धब्बों और काले घेरों को छिपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें।

आईलाइनर :- ऑफिस मेकअप में जेल बेस्ड आईलाइनर का इस्तेमाल करें। ये आसानी से खराब नहीं होगा। अच्छे लुक के लिए आईलाइनर की एक पतली लेयर लगाएं और फिर इसे थोड़ा स्मज कर दें।

ब्लश :- अपने गालों और नाक के ऊपरी हिस्से पर थोड़ी ब्लश लगाएं। बहुत ज्यादा डार्क रंग का ब्लश लगाने से बचें। ऑफिस लुक में नैचुरल रंग का ब्लश ही अच्छा लगता है।

होंठ :- अपने होठों को लिप कलर से भरें। ऑफिस के लिए आप हल्के रंगों को ही चुनें।

आंखें :- ट्रांसपेरेंट मस्कारा लगाकर ऑफिस मेकअप लुक को पूरा करें।

घर में ड्राइंग रूम किस दिशा में बनवाना चाहिए ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का निर्माण किया जाता है। कई बार जाने-अनजाने में गलत दिशा में घर या कमरा बनवाने से वास्तु दोष का प्रभाव बना रहता है। घर का सेंटर पॉइंट माना जाता है लिविंग रूम। घर के ड्राइंग रूम में पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखना बेहद जरूरी है। सिर्फ मेहमान ही नहीं घर के सदस्य भी ड्राइंग रूम का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं ड्राइंग रूम किस दिशा में बनवाना चाहिए व ड्राइंग रूम से जुड़े कुछ वास्तु टिप्स-

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में ड्राइंग रूम उत्तर-पूर्व अथवा उत्तर-पश्चिम दिशा में होना या बनवाना शुभ माना जाता है। ड्राइंग रूम का निर्माण इस तरीके से करवाना चाहिए की सूर्य की रौशनी कमरे में आती रहे। कमरे में जितना प्राकृतिक प्रकाश आएगा उतना ही शुभ रहेगा। ड्राइंग रूम में सोफा आदि दक्षिण अथवा पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। हल्का फर्नीचर उत्तर एवं पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ड्राइंग रूम का ईशान कोण यथा संभव खाली या बहुत हल्का होना चाहिए यानि इस दिशा में ज्यादा सामान नहीं रखना चाहिए। ड्राइंग रूम में पूर्व एवं उत्तर दिशा में खिड़की होना आवश्यक है। ड्राइंग रूम की दीवारों पर हल्के रंग का पेंट करवाना अच्छा माना जाता है। ड्राइंग रूम में सेंटर टेबल पर एक क्रिस्टल का लोटस रखना शुभ फलदायी होता है। ड्राइंग रूम का एंट्री गेट उत्तर या पूर्व की दिशा में होना बेहद शुभ माना जाता है। वहीं, ड्राइंग रूम के अंदर उत्तर या पूरब की दिशा में खिड़कियां होना बेहद शुभ माना जाता है।

ठंड में दमकती त्वचा के लिए अपनाएं आयुर्वेदिक स्किन केयर

आयुर्वेद में हर समस्या से निपटने का इलाज है, अच्छी बात यह है कि ये इलाज नैचुरल है। जिसे हर कोई फॉलो कर सकता है। बात स्किन केयर की करें तो आयुर्वेद में त्वचा देखरेख का मतलब स्किन डिटॉक्स करने और ब्लड सर्कुलेशन सही रखने से है। सर्दियों में स्किन की सबसे कॉमन प्रॉब्लम है ड्राईनेस, इससे निपटने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीकों को अपना सकते हैं। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर के अनुसार इन तरीकों के बारे में बताया गया है, जानिए।

1) अभ्यंग

आयुर्वेद सर्दियों के दौरान नियमित अभ्यंग यानी तेल मालिश का सुझाव देता है। इससे करवाने पर कई फायदे मिलते हैं, जिनमें उम्र बढ़ने में देरी, थकान से राहत और वात दोष यानी दर्द को शांत करता है। ये सर्दियों में काफी असरदार होता है और स्किन की ड्राईनेस को खत्म कर सकता है।

2) अटापा-सेवाना

सर्दियों के दौरान सुबह की सूरज की किरणों के संपर्क में आना आरामदायक होता है। ऐसे में आयुर्वेद सुझाव देता है अटापा-सेवन यानी अभ्यंग के बाद जो आपकी स्किन में तेल के उचित अवशोषण में मदद करता है। इसी के साथ विटामिन डी पाने में मदद करता है।

3) व्यायाम

व्यायाम करने के लिए सर्दी सबसे अच्छा मौसम है। क्योंकि इस समय सभी के शरीर में ज्यादा ताकत होती है। सर्दियों के दौरान सूरज की रोशनी में शरीर की क्षमता के अनुसार व्यायाम करने से आपको पूरे दिन गर्म और एनर्जेटिक रहने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि व्यायाम आपके शरीर की अग्नि को उत्तेजित करता है जो आपकी स्किन को गर्म रखता है और पाचन क्षमता को बढ़ाता है।

4) स्नान

आयुर्वेद सर्दियों के दौरान गुनगुने पानी से स्नान करने का सुझाव देता है। हालांकि, गर्म पानी से नहाने से क्योंकि ये आपकी स्किन डिहाईड्रेट करता है और आपकी स्किन ज्यादा ड्राई हो जाती है और फटने का खतरा होता है, इसलिए सर्दियों में गर्म पानी के बजाय गुनगुने पानी से नहाने को चुनना सबसे अच्छा है।

5) नस्य

नस्य मतलब नाक में औषधीय तेल डालना। यह सिरदर्द, माइग्रेन, साइनस कंजेशन, एलर्जी, नाक से खून आना, सफेद बाल, बालों का झड़ना, अनिद्रा आदि में मदद करता है। सोते समय दोनों नाक में A2 गाय का घी या तिल का तेल की 2 बूंदें डालने से सर्दियों में अच्छी नींद आती है।

6) पाद-अभ्यंग

घी, तिल या सरसों के तेल से पैरों की मालिश करें। ऐसा करके आपके तलवों को फटने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा आपके दिमाग और शरीर को आराम मिलता है और ब्लड फ्लो में सुधार होता है।

हाई बीपी को नेचुरली कंट्रोल रखते हैं ये योगासन

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल, खानपान की खराब आदतें और जरूरत से ज्यादा तनाव, आज ज्यादातर लोगों के लिए हाई बीपी का कारण बनता जा रहा है। लंबे समय तक बना हुआ हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और किडनी फेलियर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। यही वजह है कि इस समस्या को साइलेंट किलर के नाम से भी जाना जाता है। अगर आप भी हाई बीपी की समस्या से परेशान हैं तो अपने डेली रूटीन में योग को जरूर जगह दीजिए। नियमित रूप से योगासन करने से हाई बीपी को कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है। योग न केवल तंत्रिकाओं को शांत करता है, बल्कि तनाव दूर करके बीपी को नेचुरली कंट्रोल करने में भी मदद करता है। आइए जानते हैं ऐसे ही दो योगासनों के बारे में, जिनका नियमित अभ्यास आपके बीपी को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

सेतुबंधासन

सेतुबंधासन को अंग्रेजी में ब्रिज पोज के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन न केवल ब्लड प्रेशर को प्रभावी ढंग से कम करने में मदद करता है, बल्कि गठिया के दर्द में भी राहत देकर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इस आसन को करते समय साधक को अपनी गर्दन, रीढ़ और चेस्ट में स्ट्रेच महसूस होता है। जिससे उसे अपनी परेशानी में आराम मिलता है।

सेतुबंधासन करने का तरीका

सेतुबंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधा लेटकर घुटनों और कोहनियों को मोड़ें। इसके बाद अपने पैरों को फर्श पर कूल्हों के पास और अपने हाथों को सिर के दोनों तरफ मजबूती से रखें। अब अपने दोनों हाथों और पैरों को जमीन पर सहारा देते हुए धीरे-धीरे शरीर को हवा में उठाने की कोशिश करें। ऐसा करते हुए आपका शरीर ब्रिज के समान बन जाएगा। अब इस मुद्रा में 20 सेकंड के लिए बने रहें। तय समय बाद धीरे-धीरे शरीर को पहले की मुद्रा में वापस ले आएं।

दही खाने का सही तरीका क्या है?

दही (Curd) इंडियन फूड का अहम हिस्सा है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को मजबूत करते हैं और इम्युनिटी बढ़ाते हैं, लेकिन सर्दियों में अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि क्या ठंड के मौसम में दही खाना सही है? कहीं यह सर्दी-खांसी तो नहीं बढ़ाता?आयुर्वेद के अनुसार दही का सेवन सही तरीके और सही समय पर किया जाए तो यह नुकसान नहीं बल्कि फायदा ही देता है।

आयुर्वेद के अनुसार दही का सेवन सही तरीके और सही समय दही कैसे खाएं?

दही सीधा फ्रिज से निकालकर न खाएं। खाने से पहले इसमें काली मिर्च, भुना जीरा या सोंठ (सूखी अदरक) मिलाएं। दही को मट्ठा (छाछ) बनाकर पीना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। दही के साथ चावल या रात का भोजन अवॉइड करें।

जानें फायदे

दही शरीर के लिए ठंडा या गर्म होता है?

आयुर्वेद के अनुसार दही की तासीर ठंडी नहीं बल्कि भारी (गुरु) होती है। यह कफ बढ़ाने वाली होती है, इसलिए ठंड के मौसम में अधिक मात्रा में दही खाने से बलगम की समस्या हो सकती है।

क्या सर्दी-खांसी में दही खाना ठीक है?

नहीं, अगर आपको – सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश है, तो दही से परहेज करना चाहिए। दही कफ को बढ़ा सकती है और समस्या को लंबा खींच सकती है।

आयुर्वेद के अनुसार दही खाने का सबसे अच्छा समय क्या है?

दोपहर (Lunch time) दही खाने का सबसे अच्छा समय है। सुबह खाली पेट और रात में दही खाना आयुर्वेद में वर्जित माना गया है। दिन में पाचन अग्नि मजबूत होती है, जिससे दही आसानी से पच जाती है।

दही खाते समय क्या सावधानियां बरते?

रात में दही न खाएं। दही + दूध का कॉम्बिनेशन न लें। बहुत खट्टी दही अवॉइड करें। बच्चों और बुजुर्गों को सीमित मात्रा में दें।

लड्डू बनाते समय कुछ आसान कुकिंग टिप्स

ज्यादातर घरों में लोग मेवे, गोंद, तिल जैसी कई चीजों के लड्डू बनाकर पहले से ही स्टोर कर लेते हैं। ये लड्डू ना सिर्फ खाने में बेहद टेस्टी होते हैं, बल्कि शरीर की गर्माहट बनाए रखकर सेहत को भी कई तरह के फायदे देते हैं। हालांकि कई बार लड्डू बनाते समय की गई कुछ छोटी-छोटी गलतियां ना सिर्फ लड्डू का स्वाद बल्कि उसकी बनावट भी खराब कर देती हैं। जिससे लड्डू खाने में सख्त पत्थर जैसे लगने लगते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो अगली बार लड्डू बनाते समय इन आसान कुकिंग टिप्स को जरूर फॉलो करें। ताकि आपके लड्डू भी परफेक्ट बन सके।

अनुपात का रखें ध्यान

लड्डू बनाते समय सबसे पहले उसमें डाली जीने वाली हर चीज के सही अनुपात का ध्यान रखें। आटे में घी की मात्रा कम रहने से लड्डू सख्त बनते हैं। ऐसे में लड्डू बनाते समय घी की मात्रा की खास ख्याल रखें। लड्डू में पर्याप्त मात्रा में डाला गया घी उन्हें नरम बनाता है।

मीठा डालते हुए

लड्डू में मिठास बनाए रखने के लिए उसमें चीनी या गुड़ का मिश्रण डालने से पहले कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। अगर आप लड्डू में पाउडर चीनी का यूज कर रहे हैं, तो इसे लड्डू के ठंडे मिश्रण में मिलाएं। जबकि गुड़ का यूज करने पर इसे घी में हल्का पिघलाकर डालें। चीनी की चाशनी डालते समय ध्यान रखें कि एक तार की चाशनी लड्डू को सॉफ्ट बनाए रखती है।

सही तरह से भूना हुआ हो लड्डू का मिश्रण

अगर लड्डू के बेसन या आटे की भुनाई अच्छी तरह से नहीं होती है तो लड्डू के स्वाद में कच्चापन आने के साथ वो सख्त भी बनते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि लड्डू का आटा हमेशा धीमी आंच पर भूना जाता है, जिससे वो अंदर तक पक जाता है। आटे को लो फ्लेम पर तब तक भूनें, जब तक उसका रंग हल्का भूरा होने के साथ अच्छी खुशबू ना देने लगें।

पीएमजेएसवाई के तहत बनी पुल व सड़क भारी बारिश में बह गई। आने वाले बारिश के दिनों में ग्रामीणों का आना जाना फिर से होगा बाधित

सरपंच व प्रतिनिधियों ने पुल निर्माण को लेकर शासन प्रशासन से लगाई गुहार

कोरबा/पाली(समय दर्शन)। पाली विकासखंड के ग्राम पंचायत नगोई के आश्रित ग्राम लोहड़िया और ग्राम पोडी के बीच एक नदी गई है जिसमें लगभग 8 से 10 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत सड़क और पुलिया का निर्माण किया गया था ,अब वो बुरी तरह से टूट कर क्षतिग्रस्त हो चुका है । यह पुल बनने के कुछ ही वर्ष बाद भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर होने से पोड़ी

और लोहड़िया के मध्य बनी पुलिया/पुल बह गए हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट गया है और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। इस स्थान में बारिश के समय हुए तेज बहाव के कारण पुलिया बह जाने की घटना सामने आई थी । ग्राम पंचायत नागोई के सरपंच पति राजेंद्र सिंह पोर्ते का कहना है कि बारिश के समय में आसपास स्थित आश्रित ग्राम के आने जाने वाले लोगों को इससे बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। और सबसे ज्यादा दिक्कत बरसात के समय बच्चों को स्कूल के लिए आने जाने में होता है। अभी आने वाले बारिश के दिनों में यह समस्या फिर से देखने को मिलगी ।

आश्रित ग्राम लोहड़िया और भादा के लोगो के लिए यहां राशन या पेंशन या अन्य जरूरतों के लिए बाजार या मुख्य मार्केट जाने का एकमात्र मुख्य रास्ता है। बारिश के दिनों में यहां लोगों को अतिरिक्त रास्तों से गुजर कर आना जाना पड़ता है जिससे समस्या बहुत बढ़ जाती है।

ग्राम के सरपंच पति का कहना है कि इस संबंध मे बहुत पहले ग्राम के प्रतिनिधियों द्वारा कलेक्टर के समक्ष लिखित में यह शिकायत किया गया था । परंतु पुल का निर्माण अब तक नहीं हुआ है। उनका कहना है कि आने वाले बारिश के दिनों में यहां लोगों की आने जाने की समस्या फिर बढ़ जाएगी इसलिए यहां एक बड़ा नहीं तो छोटे पुल का निर्माण कराए जाने को लेकर शासन, प्रशासन से गुजारिश किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग की कार्यकारिणी घोषित

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री दीपक बैज जी के अनुमोदन पर एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की सहमति से शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग की कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें 6 उपाध्यक्ष, 12 महामंत्री, 12 सचिव एवं 10 कार्यकारिणी सदस्य, एक कोषाध्यक्ष, 4 प्रवक्ता, 2 सह कार्यालय प्रभारी बनाए गए। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने बताया कि कोषाध्यक्ष राजू भाटिया, उपाध्यक्ष कौशल किशोर सिंह, दीपक साहू, अब्दुल गनी, अजय शर्मा, राजकुमार पाली, राजकुमार नारायणी एवं महामंत्री रायसेन ढीकोला, प्रकाश जोशी, सुश्री जमुना साहू, अजय मिश्रा, विजय चंद्राकर, पोषण साहू, दुष्यंत देवांगन, श्रीमती निकिता मिलिंद, संजय बत्रा, मुकेश साहू, गौरव उमरे, राहुल शर्मा, व सचिव राकेश यादव, सुरेंद्र सिंह राजपूत, मनदीप सिंह भाटिया, मुकेश राठी, जगमोहन ढीमर, भूपेंद्र सेन, खुर्शीद अहमद, वेंकट राव शास्त्री, धनंजय साहू, दीपक जैन, अविनाश यादव, सुभाष पाल एवं कार्यकारिणी सदस्य भोजराज यादव, श्रीमती शकुन ढीमर, ज्ञानू बागडे,देव सिन्हा,गिरधर शर्मा, श्रीमती माहेश्वरी ठाकुर, हमीद खोखर, संजय गर्ग, श्रीमती लता जंघेल, उमेश पटेल एवं प्रवक्ता सुशील भारद्वाज, नासिर खोखर, ओमप्रकाश जोशी, नागेंद्र शर्मा व सह कार्यालय प्रभारी बृजेंद्र भारद्वाज, सुमित घोष बनाए गए हैं। शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल में शहर कांग्रेस के नई टीम को बधाई दी है और कहा है की गठन में सभी वर्ग समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व दिया गया है श्री बाकलीवाल ने आगे कहा की संगठन सृजन अभियान के तहत पार्टी के राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व की अनुमति से ही युवा व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को टीम में शामिल किया गया है। बाकलीवाल ने कहा की नई टीम अगले विधानसभा लोकसभा व नगर निगम चुनाव के लक्ष्य को लेकर पूरी ऊर्जा के साथ काम करेगी। कांग्रेस जनता के हितों का ध्यान रखते हुए हर मुद्दों पर संघर्ष में अपनी प्रभावी भूमिका प्रदर्शन करेगी।

गिरोधपुरी धाम मेला दर्शन हेतु युवा सरपंच रवि सिंगौर के नेतृत्व में ग्रामवासियों का एकदिवसीय भ्रमण

पाटन। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध धाम गिरोधपुरी धाम में आयोजित मेले के अवसर पर जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम सांकरा के युवा सरपंच रवि सिंगौर अपने ग्राम के सतनामी समाज के लोगों को साथ लेकर एकदिवसीय धार्मिक भ्रमण के लिए रवाना हुए। इस दौरान श्री सिंगौर संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास के पावन धाम गिरोधपुरी में दर्शन कर ग्राम एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करेंगे। यह यात्रा सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल मानी जा रही है। भ्रमण दल में श्री सिंगौर के साथ सीताबी बंजारे, रमेश बजारे, मनमोहन बंजारे, अशोक तुरकाने, गौतलाल डहरिया, संजय बंजारे, महेश बांधे, करण बंजारे, श्रीमती गायत्री बंजारे, कुमारी डहरिहा, संजय डहरिया, उमा तुरकाने, संजय सिंगौर (पंच), तुलाराम सिंगौर, महेंद्र पारधी (पंच), कामता सिंगौर, विकास सिंगौर सहित अन्य ग्रामवासी शामिल हैं, जो गिरोधपुरी धाम मेला दर्शन हेतु प्रस्थान कर चुके हैं।

सभी वर्ग का ध्यान रखा गया है बजट में, विकसित राज्य की दिशा में छत्तीसगढ़: रवि सिंगौर

पाटन। छत्तीसगढ़ के हालिया बजट पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा अमलेश्वर मंडल के महामंत्री एवं सांकरा के सरपंच रवि सिंगौर ने कहा कि यह बजट राज्य को नई दिशा और नई गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकास का विजन है। इसमें व्यापारी, किसान, युवा और महिलाओं सहित समाज के हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। व्यापारियों के लिए कर व्यवस्था में सरलता और व्यवसाय को प्रोत्साहन देने वाले प्रावधान स्वागतयोग्य हैं। किसानों के लिए समर्थन मूल्य, सिंचाई सुविधाओं और आधुनिक कृषि संसाधनों पर विशेष फोकस राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा।

रवि सिंगौर ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार सृजन, कौशल विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने की योजनाएं उन्हें आत्मनिर्भर बनाएंगी। वहीं महिलाओं के सशक्तिकरण, स्व-सहायता समूहों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्राथमिकता देकर सरकार ने समावेशी विकास का संदेश दिया है।

खूनी संघर्ष से दहला वनांचल, कलयुगी भतीजे ने कुल्हाड़ी से किया चाचा के पूरे परिवार पर हमला

सारंगढ़-बिलाईगढ़ -टारजन महेश (समय दर्शन) जिले के डोगरीपाली थाना अंतर्गत ग्राम झाल में मंगलवार की सुबह सूरज की पहली किरण के साथ ही चीख-पुकार मच गई। गाँव के एक 26 वर्षीय युवक तुलसी सारथी ने खूनी तांडव मचाते हुए अपने ही सगे चाचा के परिवार के 5 सदस्यों पर टांगिया (कुल्हाड़ी) से जानलेवा हमला कर दिया। इस वीभत्स घटना में अब तक मासूम बच्चे सहित 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो अन्य की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

सोते हुए परिवार पर अचानक बोला धावा- जानकारी के अनुसार, आरोपी तुलसी सारथी कुछ दिन पहले ही बिलासपुर के एक होटल से काम छोड़कर गाँव लौटा था। मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे उसने अपने माता-पिता से टमाटर की बाड़ी जाने की बात कही और हाथ में टांगिया लेकर निकला। लेकिन वह बाड़ी न जाकर सीधे अपने चाचा कुमर सांय सारथी के घर में घुस गया।

?घर के दो अलग-अलग कमरों में पूरा परिवार गहरी नींद में था। आरोपी ने बिना किसी विवाद के सो रहे लोगों पर ताबड़तोड़ हमला करना शुरू कर दिया।

जिसमे 5 लोगो पर प्राणघातक हमला किया मौके पर मृतक श्रीमती ?मंदु बाई ,मृतक ?राजेश सारथी, प्राण त्याग दिया 3 अन्य लोगो को तत्काल हॉस्पिटल ले जाते वक्त एक मासूम बच्चे की मौत हो गया बाकी अन्य

महिला श्रीमती संजीता सारथी जो कि गर्भवती है कुमार सारथी को गम्भीर स्थिति है इलाज चल रहा है

हमले के दौरान जब घर के अंदर से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आईं, तो आसपास के लोग और आरोपी के परिजन मौके पर पहुंचे। अंदर का नजारा देख सबकी रूह कांप गई। खून से लथपथ परिजनों में से दो की मौके पर ही मौत हो चुकी थी

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार- घटना की सूचना मिलते ही डोगरीपाली पुलिस सक्रिय हुई और घेराबंदी कर आरोपी तुलसी सारथी को दबोच लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (स्क्) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (स्क्) भी स्वयं मौके पर पहुंचे और बारीकी से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार (टांगिया) को जब्त कर लिया है। और आरोपी तुलसी सारथी को गिरफ्तार कर लिया गया है

मयंक पटेल के नेतृत्व में विशाल नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर सालर मे आयोजित

सारँगढ बिलाईगढ़ -(समय दर्शन) ग्राम पंचायत भवन सालर में सोमवार को एक विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मयंक पटेल के प्रयासों से तथा त्रिलोचन नेत्रालय, संबलपुर के सहयोग से संपन्न हुआ।

शिविर में सालार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपने आंखों की जांच करवाई। विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की टीम ने आधुनिक उपकरणों के माध्यम से लोगों की आंखों की जांच की तथा आवश्यकता अनुसार मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए।

चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को आंखों की नियमित जांच कराने, संतुलित आहार लेने, धूल-धुएं से बचाव करने तथा मोबाइल और टीवी का सीमित उपयोग करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। साथ ही आंखों की स्वच्छता और देखभाल के सरल उपायों की जानकारी प्रदान की।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविरों से जरूरतमंद लोगों को काफी राहत मिलती है। आयोजकों ने भविष्य में भी इस तरह के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। इस मौके पर मुख्य रूप से सालर के सरपंच प्रतिनिधि उज्वल सारथी, नरेश पटेल, देवनंद पटेल,निर्मल पटेल,विनय पटेल, वाशु पटेल,लोकेश पटेल के साथ और भी लोग उपस्थित रहे।

कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का स्वागत

पर शिक्षकों की लंबित मांगों पर बजट में स्पष्ट घोषणा नहीं होने से मनोज चौबे ने जतायी निराशा

कोरबा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ बजट 2026 में कर्मचारियों के लिए घोषित कैशलेस चिकित्सा सुविधा को कर्मचारी संगठनों ने राहत भरा कदम बताया है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने इस प्रावधान का स्वागत करते हुए इसे कर्मचारियों के लिए चिंता मुक्त स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना है। संगठन ने राज्य सरकार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, कोरबाजिला अध्यक्ष मनोज चौबे ने जारी बयान में कहा कि बजट में कैशलेस चिकित्सा का प्रावधान कर्मचारियों के लिए बेहद स्वागतेय है। उन्होंने कहा कि अब तक कर्मचारियों और उनके परिजनों को इलाज के बाद बिल जमा करने, भुगतान की प्रक्रिया और धनराशि की व्यवस्था को लेकर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कैशलेस सुविधा लागू होने से कर्मचारियों को आपात स्थितियों में तत्काल इलाज उपलब्ध कराने में आसानी होगी और आर्थिक तनाव में कमी आएगी। हालांकि, संगठन ने बजट में शिक्षकों से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण लंबित मांगों पर निराशा भी जताई है। संजय शर्मा ने बताया कि संविलियन से पूर्व की सेवाओं को पेंशन योग्य मान्यता देने का मुद्दा अभी भी लंबित है। उन्होंने इस संदर्भ में रमेश चंद्रवंशी ड्ढक्क 2255/2021 एवं अन्य याचिकाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि माननीय उच्च न्यायालय ने अपने निर्णयों में स्पष्ट किया है कि संविलियन से पूर्व दी गई दीर्घकालीन सेवाओं को अप्रासंगिक मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संगठन के अनुसार, न्यायालय ने सेवा की निरंतरता, किए गए कर्तव्यों की प्रकृति, वेतन का स्रोत, प्रशासनिक नियंत्रण तथा संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के अंतर्गत समानता के सिद्धांतों को ध्यान में रखने की आवश्यकता पर बल दिया है। इन आधारों पर शिक्षकों की मांग है कि संविलियन से पहले की सेवा अवधि को पेंशन गणना में शामिल किया जाए। संजय शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार से सकारात्मक निर्णय की उम्मीद थी, लेकिन बजट में कोई स्पष्ट घोषणा नहीं होने से शिक्षकों में निराशा है।

स्वदेशी मेला का आयोजन प्रथम बार भिलाई में

भिलाई। स्वदेशी जागरण फाउंडेशन की इकाई भारतीय विपणन विकास केंद्र द्वारा इस्पात नगरी भिलाई में पहली बार स्वदेशी मेला स्वालंबन की ओर बढ़ता भारत.. का आयोजन 13 मार्च से 19 मार्च तक जयंती स्टेडियम के सामने मैदान में आयोजित किया जाएगा, इस हेतु आज दिनांक 23 फ़रवरी 2026 को भिलाई होटल कॉफी हाउस भिलाई जिला दुर्ग में स्वदेशी मेला की प्रारंभिक बैठक सपन्न हुई,जयंती स्टेडियम में 13 मार्च से 19 मार्च तक मेले मे स्वदेशी उत्पाद और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने भव्य मेला आयोजित किया जाना है उसके पूर्व तैयारी को लेकर समाज के विविध संघटन,समाजसेवी, स्वदेशी प्रेमी बंधु और नारी शक्ति इस बैठक में उपस्थित हुए,बैठक में मुख्य रूप से ,श्री अमर बंसल प्रांत प्रमुख स्वदेशी मेला, श्री सुब्रत चाकी प्रबंधक (ष्ट्क्क्ष्ठ) ,प्रांत संपर्क प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच, जी आर जगत मेला सहा. प्रबंधक, जयेश पंचाल, रायपुर से उपस्थित रहे ,जगत जी ने बताया की मेले मे वृहत डोम लगेंगे जिसमे भारत के 22 राज्यों के स्टाल की सहभागिता के साथ, स्थानीय स्वदेशी प्रोडक्ट के स्टाल भी लगेंगे, मेले मे स्वदेशी वस्तुओ की पहचान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताये व स्पर्धाये, व्यंजन (फूड) आकर्षक का केंद्र रहेगा। मेला प्रबंधक श्री चाकी जी ने बताया की मेला आयोजन समिति के कार्य और उनकी भूमिका के विषय मे ओराकेश डाला, प्रांत मेला प्रमुख श्री अमर बंसल जी ने स्वदेशी मेला के उद्देश पर मार्गदर्शन किया, कार्यक्रम का संचालन श्री दिनेश पाटिल, प्रांत प्रमुख संघर्ष वाहिनी ने किया, बैठक में स्वालंबी भारत अभियान के सह प्रांत प्रमुख श्री संजय चौबे, चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स, लघु उद्योग भारती, प्रबोध भारती, के पदाधिकारी ,वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी,सम-वैचारिक संगठन के पदाधिकारी, अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

धान छोड़ अपनाई उद्यानिकी, अब लाखों में हो रही आमदनी

ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से किसान नरेन्द्र राजपूत की आय में चार गुना वृद्धि

मुंगेली(समय दर्शन) विकास खण्ड पथरिया के ग्राम कलारजेवरा के किसान नरेन्द्र राजपूत आधुनिक तकनीक अपनाकर खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया है। उन्होंने उद्यानिकी विभाग की ग्राफ्टेड बैंगन की खेती कर अपनी आय में लगभग चार गुना की वृद्धि की है। किसान राजपूत ने बताया कि पूर्व में वे लगभग 03 एकड़ भूमि में पारंपरिक तरीके से धान की खेती करते थे, जिसमें प्रति एकड़ लगभग 25 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था और सीमित आय के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा था। बढ़ती लागत और कम मुनाफे से चिंतित होकर उन्होंने शासकीय उद्यानिकी रोपणी सेन्दरी नर्सरी में उद्यानिकी अधिकारियों से संपर्क किया और विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी ली। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत उन्हें 30 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्होंने 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग तकनीक के साथ ग्राफ्टेड बैंगन (किस्म टीएसआर-212) की खेती प्रारंभ की। आधुनिक तकनीक के उपयोग से उत्पादन लागत और श्रम में कमी आई तथा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जहां धान से उन्हें लगभग 77 हजार 500 रुपये का कुल लाभ और 52 हजार 500 रुपये की शुद्ध बचत होती थी, वहीं ग्राफ्टेड बैंगन से लगभग 03 लाख रुपये का कुल लाभ और 02 लाख 20 हजार रुपये की शुद्ध बचत प्राप्त हुई, जो पूर्व आय से 3-4 गुना अधिक है। उनकी यह सफलता उद्यान विभाग का तकनीकी मार्गदर्शन, शासकीय अनुदान तथा उनका स्वयं के परिश्रम और नवाचार से सम्भव हो सकी है। आज उनकी सफलता से प्रेरित होकर गांव के अन्य किसान भी उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर रुचि ले रहे हैं।

जिला चिकित्सालय में हुई सफल फिजियोथेरेपी

साथुराम को वर्षों पुराने कंधे के दर्द से मिली मुक्ति

मुंगेली (समय दर्शन) जिला चिकित्सालय के फिजियोथेरेपी विभाग ने एक बार फिर आधुनिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। विगत सात वर्षों से पुराने कंधे के दर्द से पीड़ित साथुराम को अत्याधुनिक पीआरपी (प्लेटलेट रिच प्लाज़्मा) तकनीक द्वारा प्रभावी उपचार प्रदान किया गया, जिससे उसे दर्द से काफी हद तक राहत मिली है। मरीज साथुराम ने बताया कि वे पिछले 05-06 वर्षों से लगातार दर्द की समस्या से जूझ रहा थे। दर्द निवारक इंजेक्शन और दवाइयों पर निर्भर रहने के बावजूद उसे स्थायी राहत नहीं मिल पा रही थी। निजी चिकित्सकों से परामर्श लेने के बाद भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। अंततः मरीज ने जिला चिकित्सालय के फिजियोथेरेपी विभाग से संपर्क किया।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के. राय ने बताया कि जांच के उपरांत विशेषज्ञों ने मरीज को अत्याधुनिक पीआरपी ट्रीटमेंट की सलाह दी। फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों डॉ. उत्कर्ष पाठक सहित टीम द्वारा सफलतापूर्वक पीआरपी प्रक्रिया संपन्न की गई। उपचार के पश्चात मरीज ने दर्द में राहत महसूस की। मरीज साथुराम एवं उसके परिजनों ने चिकित्सकों और अस्पताल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की है। डॉ. उत्कर्ष पाठक ने बताया कि पीआरपी एक आधुनिक और सुरक्षित चिकित्सा पद्धति है, जिसमें मरीज के ही रक्त से प्लेटलेट्स को पृथक कर प्रभावित हिस्से में इंजेक्ट किया जाता है। यह प्रक्रिया शरीर की प्राकृतिक उपचार क्षमता को सक्रिय कर क्षतिग्रस्त ऊतकों के पुनर्निर्माण में सहायक होती है। पुराने जोड़ों के दर्द तथा मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं में पीआरपी उपचार एक प्रभावी विकल्प बनकर उभर रहा है। जिला चिकित्सालय में इस सुविधा की उपलब्धता से क्षेत्रीय मरीजों को अब इस उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

खबर-खास

चाकू टिकाकर नगदी रकम लूट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। प्रार्थी मनीष कुमार यदु निवासी ग्राम सुरपा थाना आर. जामगांव, जिला दुर्ग ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 20.02.2026 को वह मंदिर हसौद चौक से एक मोटरसाइकिल चालक के साथ लिफ्ट लेकर रायपुर आ रहा था। रास्ते में मोटर सायकल के चालक ने उसे शराब पिलाने हेतु कहा। दोनों लाखे नगर चौक पहुंचे, जहां वह प्रार्थी को उतारकर ईदगाहभाठा स्थित अपने ससुराल जाने की बात कहीं। कुछ समय बाद वह अपने मित्र कबीर के साथ वापस आया और प्रार्थी को सरोना स्थित जायका शोरूम छोड़ने मोटरसाइकिल में बैठाकर ले गये। रात्रि लगभग 01:00 बजे मुकुट नगर के आगे एक सुनसान गली में मोटरसाइकिल रोककर दोनों आरोपियों ने प्रार्थी से पैसे की मांग की। प्रार्थी द्वारा पैसे नहीं होने की बात कहने पर दोनों ने उसे पकड़ लिया, चाकू पेट पर टिकाकर उसकी जेब में रखे 10,000 रुपये लूट लिए, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 46/25, धारा 309(4) बीएनएस एवं धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) रायपुर संदीप पटेल द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं थाना प्रभारी को आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी आजाद चौक के नेतृत्व में थाना आजाद चौक पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों के छिपने के हर संभावित स्थानों में रेड कार्यवाही करते हुये प्रकरण में आरोपी शेख कबीर को पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपने साथी के साथ मिलकर उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी शेख कबीर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट की नगदी रकम 1500/- रूपये एवं घटना में प्रयुक्त 01 नग चाकू जप्त कर आरोपी को जेल भेजा गया। प्रकरण में संलिप्त एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी कर गिरफ्तार करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है। गिरफ्तार आरोपी का नाम शेख कबीर पिता शेख नासिर उम्र 22 साल निवासी ईदगाहभाठा थाना आजाद चौक रायपुर।

पत्नी की हत्या करने वाले पति को आजीवन कारावास , अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने सुनाया फैसला, उतई थाना क्षेत्र के ग्राम मर्रा का मामला

पाटन। उतई थाना क्षेत्र के ग्राम मर्रा में पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले आरोपी पति को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश पाटन दुलार सिंह निर्मलकर की अदालत ने आरोपी गोपी राम यादव को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास एवं एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। शासन की तरफ से विशेष लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की।

इस बार प्राकृतिक रंगों से रंगीन होगी होली

समूह की महिलाएं पलास, चुकंदर एवं पालक के पत्तों से बना रही हर्बल गुलाल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में रंगों के त्योहार होली को स्वसहायता समूह की महिलाएं इस बार और खास बना रही है। होली के त्योहार को प्राकृतिक रंगों से मनाने के लिए महिलाएं हर्बल गुलाल बना रही है। ग्राम सढ़ौली की राखी महिला ग्राम संगठन की 10 सक्रिय महिलाएँ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत हर्बल गुलाल का निर्माण कर आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की मिसाल पेश कर रही हैं। समूह की महिलाएं पलाश से पीला, चुंकदर से लाल और पालक के पत्तों से हरा रंग निकालकर मक्के की सूखी डंठल से प्राप्त अरारोट पाउडर में मिलाकर प्राकृतिक गुलाल का निर्माण कर रही है। इसमें हानिकारक रसायनिक तत्वों का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया जाता।जिससे हर्बल गुलाल त्वचा एवं सेहत के लिए सुरक्षित रहता है। राखी महिला ग्राम संगठन की ये महिलाएँ न केवल होली के त्योहार को प्राकृतिक और सुरक्षित बना रही हैं, बल्कि अपनी आजीविका को भी मजबूत कर रही हैं।मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएँ आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की नई कहानी लिख रही हैं। यह पहल प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो रही है।कलेक्टर बीएस उइके एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने भी इन महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज महिलाएं स्वरोजगार सृजित कर आत्मनिर्भर बन रही है और समाज में अपनी अलग पहचान बना रही है। पीआरपी मीना साहू ने बताया कि पिछले वर्ष भी बिहान समुह के दीदियों द्वारा कुल 30 हजार रूपये से अधिक की बिक्री कर लगभग 10 हजार रूपये से अधिक की शुद्ध मुनाफा अर्जित की थी। समूह की महिलाओं से चर्चा के फलस्वरूप पारंपरिक तरीकों से बनाए गए प्राकृतिक गुलाल से न केवल सेहत स्वस्थ रहेगा, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी अनुकूल रहेगा। साथ ही महिलाओं के लिए आमदनी का नया स्रोत भी बन रहा है। पिछले वर्ष हर्बल गुलाल की मांग अधिक रही,जिसे देखते हुए इस बार महिलाओं ने रंग बनाना शुरू कर दिया है। महिलाओं ने बताया कि गुलाल बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह प्राकृतिक है। इसे तैयार करने में फूलों और पत्तियों का उपयोग किया जाता है, जिससे यह त्वचा के लिए सुरक्षित होता है।

क्या यही है ज्ञान, गति का संकल्प ? — NHM कर्मचारियों की उपेक्षा पर सवाल

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान के उत्थान, गति की शक्ति से, संकल्प के साथ आगे बढ़ते हुए रखा गया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित मिरि और गरियाबंद जिलाध्यक्ष अमृत राव भोंसले ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा की यह थीम राज्य के समग्र विकास और जनकल्याण की दिशा में सकारात्मक संदेश देता है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस बजट में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के अंतर्गत कार्यरत हजारों संविदा कर्मचारियों के लिए किसी भी प्रकार की विशेष घोषणा या ठोस पहल नहीं की गई। जिला प्रवक्ता और प्रांतीय प्रतिनिधि भूपेंद्र सिन्हा और भूपेश साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाने वाले NHM कर्मचारी वर्षों से सीमित वेतन,अनिश्चित भविष्य और अस्थिर सेवा शर्तों के बावजूद पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।कोविड काल सहित विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों के समय इन कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद बजट में इनके हितों की अनदेखी कई सवाल खड़े करती है7 कार्यकारी अध्यक्ष लम्बोधर महतो और शेखर धुर्वे ने कहा कि विशेष रूप से यह भी स्मरणीय है कि नरेंद्र मोदी के नाम से जारी मोदी की गारंटी में संविदा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का स्पष्ट संकल्प व्यक्त किया गया था। ऐसे में NHM कर्मचारियों को यह उम्मीद थी कि इस बजट में उनके नियमितीकरण, वेतन संरचना में सुधार या सामाजिक सुरक्षा से जुड़े ठोस निर्णय सामने आएंगे।

NHM कर्मचारी संघ का मानना है कि यदि राज्य सरकार वास्तव में ज्ञान के उत्थान और गति की शक्ति के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेती है, तो स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने वाले इन कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता में होना चाहिए। राज्य सरकार से आग्रह करते हैं कि: NHM संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की दिशा में ठोस नीति बनाई जाए।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के द्वारा 19 सितम्बर 2025 को किये गए घोषणा की 3 माह के भीतर चिकित्सा बीमा, ग्रेड पे, एच आर पालिसी में सुधार, अनुकम्पा नियुक्ति एवं अन्य मांगो को समयबद्ध पूर्ण करने एवं 17500 कार्यरत कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा और सेवा स्थिरता प्रदान की जाए।

अंतत: प्रश्न यही है —क्या यही है ज्ञान के उत्थान और गति की शक्ति का संकल्प, जब स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने वाले कर्मचारियों की ही अनदेखी की जाए?

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के महामंत्री बने जामवंत गजपाल

दुर्ग। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने अपनी कार्यकारणी की घोषणा की, जिसे अनुमोदित किया प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू ने। कार्यकारणी में पूर्व में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के सचिव रहे कर्मठ ऊर्जावान एवं पार्टी के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता जामवंत गजपाल (करगाडीह)को महामंत्री बनाया गया। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू,जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र देशमुख, समाज सेवी सुभाष साव, हर्ष साहू, नंद कुमार गजपाल, परिक्षेत्र अध्यक्ष घनश्याम गजपाल, डिकेंद्र हिरवानी, रूपेन्द्र साहू, गजानंद साहू, पूर्व मंडी अध्यक्ष दुर्ग अश्वनी साहू, रामेश्वर साहू, संतोष साहू, बिहारी लाल देवांगन, चिंतामणि गजपाल, नील कुमार साहू, भेकचंद साहू, कौशल साहू, नीतिरज साहू, नीलमणि साहू शेखर साहू, हिंछा साहू, बिसेलाल साहू, राजेन्द्र साहू, पुष्पेन्द्र साहू, ढालेश्वर यादव, महेन्द्र यादव, कृष्णा साहू, प्यारे लाल बघेल, गजेन्द्र साहू, किशोर गजपाल, शशि साहू और किशोर साहू ने हर्ष जताया है।

वार्ड 44 में महापौर का निरीक्षण, रहवासियों से किया सीधा संवाद

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 44 में महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड के रहवासियों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी वार्ड में बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

40 वर्षों से पानी की समस्या से जूझ रहे थे नागरिक .. निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों ने महापौर को बताया कि वे पिछले लगभग 40 वर्षों से पेयजल संकट की समस्या से जूझ रहे थे। नियमित एवं पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती थी, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से कठिनाई उठानी पड़ती थी।

वार्डवासियों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पानी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु कार्य प्रारंभ कराया। निगम प्रशासन की पहल से वार्ड 44 में पेयजल व्यवस्था को सुचारू किया गया, जिससे लंबे समय से चली आ रही समस्या का निराकरण संभव हो सका। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है।

पार्षद एवं महिलाओं ने जताया आभार .. पानी की समस्या के समाधान के बाद वार्ड क्रमांक 44 की पार्षद सहित क्षेत्र की महिलाओं एवं नागरिकों ने महापौर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होने से वार्डवासियों को बड़ी राहत मिली है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं गंगा अनंत (Ganga Anant) पिता श्री जे पी अनंता (JP Ananta), उम्र 36 वर्ष, निवासी ई.डब्लयू.एस. 1917, विश्व बैंक कालोनी, कुरूद भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) 490024 यह शपथ करती हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम गंगा (Ganga) को त्यागकर नया नाम गंगा अनंत (Ganga Anant) रख ली हूं। अत: आज से मेरे समस्त शासकीय / अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्थान व अन्य दस्तावेजो मे मेरा नया नाम गंगा अनंत (Ganga Anant) से ही जाना, पहचाना, व पुकारा जावें।

गंगा अनंत
पिता श्री जे पी अनंता
उम्र 36 वर्ष, निवासी-
ई.डब्लयूएस.-1917, विश्व बैंक कालोनी, कुरूद भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) 490024

कार्यालय नगर पालिक निगम दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 53 वर्ष 2025-26

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंर्तगत निम्नालिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि/भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्रं	ना.प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/आपत्ति की जाती है
1149	1149	सांईस्ता खान/मोहम्मद इमरान खान	मोहम्मद अली/अकबर अली	वार्ड क्र.49 बोरसी(पश्चिम) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1150	1150	सनदीप सिंग भामरा/स्व. सरदार अजीत सिंग भामरा	जोगिंदर कौर/अजीत सिंह	वार्ड क्र.28, पचरीपारा दुर्ग	व्यवस्थानामा लिखित
1151	1151	परशुराम गनवारे/जेतूराम गनवारे	पाना देवी/पप्पुनाथ	वार्ड क्र.51 बोरसी (उत्तर), दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1152	1152	प्रदीप कुमार गुप्ता/बी.पी.गुप्ता, कंचन गुप्ता /प्रदीप कुमार गुप्ता	मेसर्स आई स्कवेयर ईफ्रास्ट्रक्चर पार्ट एम.जी.गिरीश/एम.एन. गोपालन, एन.एल.तुषार/एन.बी. लालसन	वार्ड क्र. 60,कातुलबोर्ड (पश्चिम) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1153	1153	कृष्णा गुप्ता/भोला प्रसाद गुप्ता	मेसर्स आई स्कवेयर ईफ्रास्ट्रक्चर पार्ट एम.जी.गिरीश/एम.एन. गोपालन, एन.	वार्ड क्र. 60,कातुलबोर्ड (पश्चिम) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1154	1154	प्रदीप कुमार गुप्ता/भोला प्रसाद गुप्ता	शांति स्वरूप वर्मा/पृथ्वी सिंह वर्मा डॉ संजीव भोला गुप्ता/भोला प्रसाद गुप्ता	वार्ड क्र. 60,कातुलबोर्ड (पश्चिम) दुर्ग	दान पत्र
1155	1155	देवकी साहू/समारू साहू	राजू भोसले/स्व. के.एच.भोसले, सीता भोसले/स्व. एच भोसले	वार्ड क्र.19,शहीद भगत सिंह(दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1156	1156	आशीष कुमार सिंह/ अरूण कुमार सिंह	अशोक दत्ता/जुबराज दत्ता	वार्ड क्र.53, पोटियाकला (उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1157	1157	टोपनमल/गोविन्दराम मोहनानी	हरिराम मोहनानी/टहकन मल मोहनानी	वार्ड क्र.27 पोलसाय पारा दुर्ग	बंटवारानाम
1158	1158	आसनदास मोहनानी/टोपनमल मोहनानी	हरिराम मोहनानी/टहकन मल मोहनानी	वार्ड क्र.27 पोलसाय पारा दुर्ग	बंटवारानाम
1159	1159	मुकेश कुमार मोहनानी/टोपनमल मोहनानी	हरिराम मोहनानी/टहकन मल मोहनानी	वार्ड क्र.27 पोलसाय पारा दुर्ग	बंटवारानाम
1160	1160	मंजू देवांगन/राजेश देवांगन	सीमा देवांगन/शैलेन्द्र देवांगन	वार्ड क्र.56,बघेरा दुर्ग	बंटवारानाम
1161	1161	कविता विश्वकर्मा/संजय कुमार विश्वकर्मा	लोकेश्वर कुमार साहू/जिवराखन साहू	वार्ड क्र.52, बोरसी (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1162	1162	विशुन देव राम/मिश्री लाल राम	तनुजा वासनिक/अनिल कुमार वासनिक	वार्ड क्र.58, उरला(पूर्व) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1163	1163	अमृत कुमार पटेल/राजा राम पटेल	शत्रुहन वर्मा/भागवत वर्मा,प्राधिकृत अधिकारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	वार्ड क्र.58, उरला(पूर्व) दुर्ग	विक्रय प्रमाण पत्र
1164	1164	पी.धर्मा राव/स्व.पी.अप्पा राव	सूरज कुमार कुमावत/राम प्रताप कुमावत	वार्ड क्र.52,बोरसी (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1165	1165	अविनाश ठाकुर/शरदचंद्र हलदर ठाकुर	शरदचंद्र हलदर ठाकुर/स्व.हलदर ठाकुर	वार्ड क्र.1, नयापारा दुर्ग	वसीयतनामा
1166	1166	भुपेश्वरी देशमुख/रूपेश्वर देशमुख	ताराचंद कुमावत/ रामप्रताप कुमावत	वार्ड क्र.52, बोरसी (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1167	1167	त्रिलोका सिन्हा/कमल कुमार सिन्हा	अश्विन कुमार पटेल / पोपट लाल पटेल	वार्ड क्र.52, बोरसी (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1168	1168	ललिता देवी साहू/टकेश्वर कुमार	कामिनी वर्मा/अजय वर्मा	वार्ड क्र.52, बोरसी (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1169	1169	शुभचंद जैन/स्व.पन्नालाल जैन	पन्ना जैन/सुन्दर लाल जैन,लाभचंद जैन/स्व.पन्ना लाल जैन	वार्ड क्र.41 केलाबाड़ी दुर्ग	हकत्याग पत्र
1170	1170	रानीदान जैन/हुकुमचंद जैन	गणेशमल कर्नावट/स्व.हुकुमचंद	वार्ड क्र.49बोरसी(पश्चिम) दुर्ग	दानपत्र
1171	1171	शमा बेगम/वाहिद अली	लाभचंद जैन/स्व.पन्ना लाल जैन	वार्ड क्र.41 केलाबाड़ी दुर्ग	दानपत्र
1172	1172	वहीदा रजा/स्व.मोहम्मद रजा	अरूणा मेहता/अनिशचन्द्र मेहता	वार्ड क्र.45 पद्मनाभपुर (पश्चिम)दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1173	1173	राजेन्द्र कुमार मौर्या/राम निहोर मौर्या	रामबती साहू/स्व.सहसराम साहू	वार्ड क्र.40 सुराना कॉलेज दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1174	1174	मोहम्मद खालिद कुरैशी/आबिद कुरैशी	जुलेखा बेगम/डॉ एफ.यू.फारूखी	वार्ड क्र.41 केलाबाड़ी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1175	1175	रोहित कुमार गुप्ता/शीतला प्रसाद गुप्ता	दीनानाथ गुप्ता/रामरूप गुप्ता	वार्ड क्र.20 आदित्य नगर दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
1176	1176	अहिल्या बाघ/कमल बाघ	मो.शकील कलीम,मो.शफकीक कलीम,मो.जीमल कलीम तीनों के पिता स्व.सिकंदर कलीम	वार्ड क्र.51 बोरसी(उत्तर) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

संकल्प के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़, जनकल्याण और विकास का बजट-चंदप्रकाश

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रस्तुत बजट वर्ष 2026-27 को विकासोन्मुखी, जनकल्याणकारी एवं संतुलित बजट बताया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत यह बजट प्रदेश के हर वर्ग, किसान, युवा, महिला, व्यापारी एवं शहरी-ग्रामीण नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला है। नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने कहा कि ''संकल्प'' थीम पर आधारित छत्तीसगढ़ का बजट वर्ष 2026-27 प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है यह बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य निर्माण का दृढ़ संकल्प है।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि कवर्धा से खम्हरिया मार्ग तक सड़क उन्नयन व चौड़ीकरण कार्य हेतु 23 करोड़ का प्रावधान, जिले के पण्डरिया में नालंदा परिसर का निर्माण, सुतियापाट से ठाठापुर तक पेयजल आपूर्ति हेतु 50 करोड़ का प्रावधान, इसी तरह नगरोत्थान योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना अंतर्गत नगर पालिका, नगर पंचायतों को शामिल करने हेतु 200 करोड का प्रावधान किया गया। इसके अतिरिक्त जिला में स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, पेयजल व अन्य क्षेत्रों में कार्य किये जाने हेतु बजट में प्रावधान किया गया है। अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने कहा कि बजट में शिक्षा के क्षेत्र में नए विद्यालयों, उन्नयन कार्यों तथा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रावधानों का स्वागत किया। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, अस्पतालों एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार को जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। किसानों के लिए समर्थन मूल्य, कृषि योजनाओं एवं सिंचाई परियोजनाओं में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यह बजट गांव, गरीब और किसान को सशक्त बनाने वाला है।

संकल्प नहीं शक का निराशाजनक बजट है- सीमा अनंत

कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष सीमा अनंत ने प्रस्तुत बजट को घोर निराशाजनक कहा है। उन्होने बताया कि बजट में महिलाओं, युवाओं, किसान, मजदुर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की उपेक्षा साफ दिख रहा हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार, सुरक्षा के लिए कोई नीति नहीं है। युवा रोज़गार के लिए भटक रहे हैं। इसके बाद भी नई भर्ती का न तो उल्लेख है और ना हीं रोजगार सृजन का कोई आधार दिख रहा है।

जिलाध्यक्ष सुश्री सीमा ने कहा कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के लिए कोई प्रावधान नहीं है। यहां तक रोजगार गारंटी योजना जिसे मोदी सरकार नए नाम वीबी जी राम जी के नाम से लाई हैं और राज्यांश 40 प्रतिशत रहना कहा गया है। छत्तीसगढ़ सरकार बजट में इसके लिए कोई राशि नहीं दिया है। इसका मतलब मनरेगा भी बंद होता दिख रहा। कुल मिलाकर यह बजट संकल्प नहीं शक का बजट है।

छत्तीसगढ का बजट, संकल्प विकास बजट- रामकुमार भट्ट

जिलापंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान जिलाध्यक्ष रामकुमार भट्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को समावेशी, सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वहितकारी बजट कहा है। उन्होने यह बजट विकास की दिशा में सुशासन सरकार का सशक्त कदम बताया। हर वर्ग के लिए नए अवसरों का सृजन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न योजनाओं और बजट प्रावधानों के माध्यम से हर स्तर पर विकास कार्य मे तेजी आएगी, जिससे पूरे राज्य में गांव गांव तक विकास की किरणें पहुंचेंगी।

भ्रष्टाचार करने का संकल्प बजट- प्रशांत परिहार

कांग्रेस के युवा नेता प्रशांत परिहार ने बजट प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये बजट सिर्फमायाजाल और मकड़जाल है। इससे प्रदेश के लोगों का कोई सरोकार नहीं है। श्री परिहार ने कहा कि पहला बजट का नाम गति रखा गया था, जो पूर्ण रूप से दुर्गति होने के बाद अब इस साल संकल्प नाम देकर बजट पेश किया गया और ये संकल्प इनका भ्रष्टाचार करने का संकल्प बनेगा। श्री परिहार ने कहा कि बजट में सभी वर्ग के लोग दुखी और निराश हुए है। बीस साल का सपना दिखाया गया। 2026 कि बात न कर 2047 का सपना दिखाया गया है। कुल मिलाकर घोर निराशाजनक बजट है।

भाजपा ने बजट में फिर प्रदेशवासी और बेरोजगारों को ठगा- चोवाराम साहू

पूर्व मण्डी उपाध्यक्ष एवं कांग्रेस के युवा नेता चोवाराम साहू ने भाजपा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हर बार की तरह इस बार भी प्रदेशवासियों और युवाओं को ठगने का कार्य किया है। सरकार ने इस बार भी डोंगरगढ़-कवर्धा होते हुए उसलापुर रेल लाईन को बजट में हांसिए पर रख दिया है। सरकार अपनी योजनाओं में बेरोजगारों के लिए बेरोजगारी भत्ता योजना चालू रखने का दम भर रही है लेकिन बजट में इसके लिए कोई प्रावधान तथा घोषणा नहीं है। जिससे बेरोजगार अपने आपको ठगा सा महसूस कर रहे हैं। कुल मिलाकर सरकार का बजट सिर्फ छलावा और प्रदेशवासी ठगे गए है।

प्रदेश के युवाओं को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट : अमन वर्मा

महासमुंद(समय दर्शन)। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमन वर्मा ने छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के 25 वां बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की यह बजट ऐतिहासिक एवं प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने व समृद्धि की ओर अग्रसर करने वाला बताया है। अमन नें कहा कि जो 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान कर प्रदेश के विकास में चहुमुखी विकास लाने का प्रयास किया गया है। यह बजट प्रधानमंत्री के विकसित भारत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगा। बजट में युवाओं का खास ध्यान रखा गया है। युवाओं का बजट थीम के तहत उच्च शिक्षा, तकनीकी संस्थानों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बड़े वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। राज्य के विश्वविद्यालयों को अनुदान, व्यावसायिक परीक्षा मंडल की क्षमता वृद्धि एवं विस्तार के लिए 731 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट शाला योजना के लिए 100 करोड़ रुपये, आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों के अधोसंरचना उन्नयन के लिए 50 करोड़ रुपये तथा नए सीजीआईटी संस्थानों की स्थापना के लिए 38 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु सहायता योजना के लिए 33 करोड़ रुपये और 36 इन्क्यूबेशन सेंटर एवं सेंटर ऑफएक्सीलेंस के लिए 35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा के विस्तार के तहत 25 नए महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए 25 करोड़ रुपये तथा रायपुर में मेगा परीक्षा केंद्र के लिए 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। आईआईटी में अधोसंरचना विकास के लिए 20 करोड़ रुपये और दुर्ग, जशपुर, रायपुर, बलौदाबाजार एवं रायगढ़ के पांच शासकीय महाविद्यालयों में उत्कृष्टता केंद्र स्थापना के लिए 15 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहयोग मिलेगा। सभी नालंदा पुस्तकालयों में करियर काउंसलिंग केंद्र स्थापित करने के लिए 10 करोड़ रुपये तथा छत्तीसगढ़ युवा दर्शन योजना के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि तय की गई है। यह बजट बता रहा है कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। अमन नें आगे कहा कि विधानसभा में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश कर 'संकल्प' थीम के साथ विकास का रोडमैप रखा। बजट में किसानों को ब्याज मुक्त कर्ज देने की घोषणा की गई, वहीं 18 वर्ष पूरे होने पर बालिकाओं को डेढ़ लाख रुपए दिए जाएंगे।

संक्षिप्त-खबर

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने किया तांदुला डैम का शैक्षणिक भ्रमण

राजनांदगांव। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन, ठाकुरटोला द्वारा 22 फरवरी 2026, रविवार को डीएलएड प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। भ्रमण के तहत विद्यार्थियों को तांदुला डैम, जिला बालोद ले जाया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना तथा उनके बौद्धिक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना था। भ्रमण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने तांदुला डैम की संरचना, जल संग्रहण क्षमता तथा क्षेत्रीय कृषि एवं पेयजल आपूर्ति में इसकी भूमिका की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणार्थियों एवं सहायक प्राध्यापकों ने भ्रमण में सहभागिता की। तांदुला डैम पहुंचकर विद्यार्थियों ने बांध की संरचना, जल संग्रहण प्रणाली और इसके क्षेत्रीय महत्व को करीब से समझा। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक समझ भी विकसित करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षणार्थी एवं सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

चीजगांव स्कूल में करवाया गया न्योता भोज :

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला चीजगांव में न्योता भोज का आयोजन किया गया। न्योता भोज का आयोजन सेवाराम साहू के नाती एवं नातिन के विवाह कार्यक्रम के अवसर पर किया गया। न्योता भोज में मुख्य रूप से लड्डू, पापड़, सब्जी,दाल और चावल परोसा गया। मौके पर प्राथमिक शाला प्रधान पाठक लोकेश साहू, सहायक शिक्षक परमानंद तिवारी माध्यमिक शाला प्रधान पाठक तीजराम ठाकुर, शिक्षक अशोक साहू,दीपक लाल ठाकुर, संजय सरकार , स्वयं सेवी शिक्षिका मधु साहू समेत स्कूल के सभी विद्यार्थी ने न्योता भोज प्राप्त किया।

ग्राम मुसुवाडीह में हुआ भव्य संत समागम मेला महोत्सव

साजा (समय दर्शन)। साजा समीपस्थ ग्राम मुसवाडीह में श्री सदगुरू कबीर संत समागम मेला एवं सात्विक यज्ञ चौका आरती का आयोजन किया गया। भव्य मेला महोत्सव का आयोजन 21 फरवरी से 24 फरवरी तक किया गया। ग्रंथ प्रारंभ 21 फरवरी को दोपहर 3 बजे से शोभा यात्रा के साथ हुआ। 21 एवं 22 फरवरी को सत्संग ग्रंथ मंडली ग्राम हरडुवा और जागृति ग्रंथ मंडली कबीरधाम का आयोजन दोपहर 3 बजे से रात्रि 8 बजे तक हुआ। 23 फरवरी को महान श्री राजू दास साहेब एवं संत मंडली दामाखेड़ा वाले द्वारा भजन सत्संग प्रवचन, संध्या आरती एवं गुलाल उत्सव हुआ। संध्या 5:00 बजे पंथ श्री हुजूर उदित मुनि नाम साहेब के करकमलों द्वारा चौका आरती सम्पन्न हुआ । चौका आरती व लेखन कार्य 21 फरवरी से 24 फरवरी तक सुबह से संध्या 4:30 बजे तक किया गया। मंगलवार 24 फरवरी को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। भंडार कक्ष ग्राम धर्मनगरी मुसुवाडीह से संत मनिहार दीवान समाधि मंदिर स्थल तक निकाली गई। प्रतिदिन भोजन भंडारा भी होता रहा। ग्राम में इस तरह के पवित्र आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल बना रहता है। मेला महोत्सव में दूर दराज से आगंतुकों की भीड़ उमड़ पड़ती है। विभिन्न प्रकारों की आकर्षक मय वस्तुओं ने मन को मोह लिया। तरह-तरह के झूले भी मेला को यादगार का पल बना देता है। आयोजन में साजा पुलिस की भी चौबीसों घंटा सहयोग मिलता रहा, जिससे आवागमन एवं विभिन्न प्रकारों की होने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है। संरक्षक पंथ श्री हुजूर 108 प्रकाशमुनि नाम साहेब आचार्य कबीर पंथ दामाखेड़ा, जिला-बलौदा बाजार रहे। आयोजन में समस्त क्षेत्रवासी एवं ग्रामवासी मुसुवाडीह का विशेष सहयोग रहा।

छत्तीसगढ़ के गौरव : आईआरएस शैलेंद्र देशमुख खेलो इंडिया विंटर गेम्स में दिखाएंगे दम, गुलमर्ग में करेंगे अल्पाइन स्कीइंग

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के लिए आगामी 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेल-2026' गौरव के नए क्षण लेकर आ रहा है। राज्य के जांबाज अधिकारी और वर्ष 2008 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी शैलेंद्र कुमार देशमुख इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। वे 22 से 26 फरवरी तक गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर) की बर्फीली वादियों में आयोजित होने वाली 'अल्पाइन स्कीइंग' स्पर्धा में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

वर्तमान में रायपुर स्थित राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स अकादमी (NACIN) में निदेशक के पद पर पदस्थ श्री देशमुख 23 और 25 फरवरी को अपनी मुख्य स्पर्धाओं में भाग लेंगे। यह लगातार दूसरा मौका है जब वे राज्य की ओर से इस राष्ट्रीय मंच पर स्कीइंग करते नजर आएंगे। पारंपरिक रूप से छत्तीसगढ़ को शीतकालीन खेलों के लिए नहीं जाना जाता, लेकिन श्री देशमुख की निरंतर उपस्थिति ने राज्य को विंटर स्पोर्ट्स के राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है।

साहस और प्रशासन का अनोखा संगम

मूल रूप से छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के ग्रामीण परिवेश से आने वाले श्री देशमुख केवल एक कुशल प्रशासक ही नहीं, बल्कि एक बहुआयामी साहसिक खिलाड़ी भी हैं। वे एक प्रमाणित पर्वतारोही, प्रशिक्षित स्कूबा डाइवर और लंबी दूरी के अनुभवी मोटरसाइकिल यात्री हैं। उनका मानना है कि अल्पाइन स्कीइंग जैसी स्पर्धाओं के लिए जिस उच्च गति, सटीक संतुलन और मानसिक एकाग्रता की आवश्यकता होती है, वही गुण एक प्रशासनिक अधिकारी को संकट प्रबंधन और त्वरित निर्णय लेने में भी मदद करते हैं।

युवाओं के लिए मिसाल

सीमित संसाधनों और बिना किसी विंटर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर वाले राज्य से निकलकर गुलमर्ग की बर्फीली ढलानों पर तिरंगा लहराना, छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा है। उनकी यह उपलब्धि संदेश देती है कि यदि अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो पृष्ठभूमि चाहे ग्रामीण हो या शहरी, किसी भी वैश्विक चुनौती को जीता जा सकता है। राज्य सरकार और खेल प्रेमियों ने उनकी इस भागीदारी को ऐतिहासिक बताते हुए उन्हें पदक जीतने के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई

09 बोरी गुटखा जब्त, नमूने जांच हेतु भेजे गए

महासमुंद (समय दर्शन)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने आज स्थानीय गंजपारा में औचक निरीक्षण कर बड़ी कार्रवाई की। टीम द्वारा फर्म मेसर्स मनभावन एजेंसी, गंजपारा, महासमुंद एवं फर्म मेसर्स हरीश जनरल स्टोर, गंजपारा, महासमुंद का आकस्मिक जांच किया गया।

जांच के दौरान टीम ने मेसर्स मनभावन एजेंसी से 08 बोरी 'पान पसंद' (कुल 276 पैकेट) संभावित गुटखा जब्त (अभिगृहित) किया। वहीं मेसर्स हरीश जनरल स्टोर से 01 बोरी 'पान पसंद' संभावित गुटखा सीज किया गया। कार्रवाई के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती रोशनी राजपूत एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी शंखनाद भोई द्वारा विधिवत नमूना संकलित किया गया।

अभिहित अधिकारी श्री उमेश वर्मा ने बताया कि जब्त किए गए नमूनों को परीक्षण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

'संकल्प से सिद्धि' की ओर छत्तीसगढ़: 2026-27 का बजट विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला - सुमित अग्रवाल

'नवा छत्तीसगढ़' की नींव रखेगा 2026-27 का 'संकल्प' बजटः सुमित अग्रवाल

जिला संयोजक सुमित अग्रवाल ने बजट को बताया तकनीक और परंपरा का बेजोड़ संगम, मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का जताया आभार

अंत्योदय और किसान खुशहाली का रोडमैप है बजट 2026-27: सुमित अग्रवाल

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 का 'संकल्प' बजट आधुनिक तकनीक और सांस्कृतिक परंपरा का एक बेजोड़ संगम है। भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ महासमुंद के जिला संयोजक सुमित अग्रवाल ने इस बजट का पुरजोर स्वागत करते हुए इसे प्रदेश के प्रत्येक नागरिक किसान, युवा, महिला और वनांचल वासियों के सर्वांगीण उत्कर्ष का एक सशक्त रोडमैप बताया है। सुमित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व और वित्त मंत्री की दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए इसे 'विकसित छत्तीसगढ़' की दिशा में एक ऐतिहासिक छलांग करार दिया।

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक सुमित अग्रवाल ने बजट की व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बजट समावेशी विकास, क्षेत्रीय संतुलन, मजबूत आधारभूत संरचना और मानव संसाधन विकास पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि यह बजट सरकारी नीति को प्रदर्शन में, निवेश को परिणामों में और जनता की आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' को धरातल पर उतारने और वर्ष 2047 तक 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ने बजट को 'ज्ञान' (त्न-ङ्ख्र-ह्) और 'गति' का संगम बताते हुए कहा कि कृषक उन्नति योजना और सिंचाई परियोजनाओं के लिए किया गया भारी-भरकम प्रावधान सिद्ध करता है कि साय सरकार किसानों की समृद्धि के लिए संकल्पित है। बिना किसी नए कर के राजस्व बढ़ाना और किसानों को समय पर इनपुट सब्सिडी देना वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन का परिचायक है।

भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक सुमित अग्रवाल ने युवाओं के लिए कौशल विकास, स्वरोजगार और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन पर दिए गए जोर की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'अटल निर्माण वर्ष' के तहत बुनियादी ढांचे में होने वाले निवेश से रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। साथ ही, 'महतारी वंदन योजना' और 'लखपति दीदी योजना' को नई गति देना प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत है। बजट में वनांचलों के विकास हेतु किए गए प्रावधानों को ऐतिहासिक बताते हुए भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुमित अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों (क्क्ङ्कञ्जह्य) के सर्वांगीण विकास हेतु पी.एम. जनमन योजना के तहत 720 करोड़ रुपये के विशाल प्रावधान को मील का पत्थर बताया। शिक्षा और अधोसंरचना के क्षेत्र में सरकार की गंभीरता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि कोरबा में विशेष आवासीय विद्यालय की स्थापना और प्रदेश भर में 25 नए एसटी छात्रावासों के लिए 75 करोड़ रुपये का आवंटन युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करेगा। सुमित अग्रवाल ने आगे कहा कि बस्तर एवं सरगुजा-जशपुर विकास प्राधिकरणों के माध्यम से स्थानीय विकास को प्राथमिकता देना क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इसके साथ ही, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण हेतु 'जनजातीय सुर-गुड़ी स्टूडियो' की शुरुआत और बैगा-पुजारियों के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि सीधे तौर पर हमारी सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के प्रति सरकार के सम्मान को प्रदर्शित करती है।

अजीत जोगी युवा मोर्चा ने आबकारी आयुक्त और खनिज अधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन, 7 दिनों का अल्टीमेटम

राजनांदगांव। आज अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसुल आलम की उपस्थिति में शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान और जिला महासचिव ऋषभ रामटेके के नेतृत्व में मोर्चा कार्यकर्ताओं ने जॉइंट कलेक्टर प्रकाश टंडन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दो प्रमुख मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया गया।

शमसुल आलम ने कहा कि राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा 2025 में सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए थे कि डिस्पोजल पानी पाउच को बंद किया जाएगा, जो कि आबकारी विभाग के आदेश के तहत भी था। बावजूद इसके, शहर में पानी पाउच बेचे जा रहे हैं, जिस पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की गई है।

इसके अलावा, खनिज विभाग द्वारा ग्राम सिंघोला के करमतरा क्षेत्र में हो रहे अत्यधिक उत्खनन को लेकर ग्रामीणों द्वारा पहले भी शिकायत की गई थी, लेकिन इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस मुद्दे पर जोगी कांग्रेस ने सात दिनों का अल्टीमेटम दिया है।

इसके साथ ही, शमसुल आलम ने होली के दिन शराब दुकानों की बंदी की मांग करते हुए मुख्यमंत्री और आबकारी आयुक्त आर. संगीता से इस पर विचार करने की अपील की। जॉइंट कलेक्टर टंडन ने इन दोनों मुद्दों पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही का आश्वासन दिया।

इस मौके पर अजीत जोगी युवा मोर्चा के जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, विधानसभा अध्यक्ष नमन पटेल, शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, मुकेश साहू, अनवर खान, शुभम भालाधारे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।

बजट में गांव, गरीब, मजदूर, किसान, महिला, अजा और आदिवासी समाज की उपेक्षा - विधायक चातुरी नंद

सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने बजट को लेकर राज्य सरकार पर साधा निशाना

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - विधायक चातुरी नंद ने वित्त वर्ष 2026-27 के राज्य बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय केवल घोषणाओं तक सीमित है। उन्होंने कहा कि बजट में ग्रामीण क्षेत्र, महिलाओं, युवाओं तथा अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के लिए ठोस और प्रभावी प्रावधानों का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

विधायक नंद ने कहा कि यह संकल्प का नहीं, जनसमस्याओं की अनदेखी का बजट है जिसमें महिलाओं, युवाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ठोस प्रावधान का अभाव है।

विधायक चातुरी नंद ने कहा कि प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजन की स्पष्ट कार्ययोजना बजट में नहीं दी गई है। केवल प्रशिक्षण और योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है, जब तक कि रिक्त पदों की भर्ती, उद्योग स्थापना और स्थानीय रोजगार के अवसरों का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत न हो।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर भी बजट में कोई नया व्यापक आर्थिक पैकेज या ठोस योजना नहीं दिखाई देती। चुनाव के दौरान महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी, किंतु इस बजट में उस वादे के क्रियान्वयन हेतु कोई स्पष्ट वित्तीय प्रावधान या योजना का उल्लेख नहीं किया गया है। इससे महिलाओं में निराशा का वातावरण है।

विधायक चातुरी नंद ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के संदर्भ में कहा कि इन वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विशेष लक्षित योजनाओं और पर्याप्त बजट आवंटन की आवश्यकता थी, परंतु बजट में ऐसा कोई ठोस प्रावधान स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया। बस्तर और सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लिए भी समग्र विकास की ठोस रणनीति का अभाव दिखता है।

उन्होंने कहा कि पूर्व बजट में एम्स की तर्ज पर 4 सिम्स और आईआईटी की तर्ज पर 4 सीआईटी खोलने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक इन घोषणाओं की जमीनी प्रगति स्पष्ट नहीं है। वर्तमान मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में शिक्षकों, डॉक्टरों और तकनीकी स्टाफके कई पद रिक्त हैं। राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में करोड़ों रुपये की मशीनें तकनीशियन के अभाव में पूर्ण क्षमता से उपयोग नहीं हो पा रहीं। ऐसे में नई घोषणाओं की व्यवहारिकता पर प्रश्न उठता है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के अनेक स्कूल शिक्षकविहीन हैं, जिनमें ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के स्कूल अधिक प्रभावित हैं। शिक्षक भर्ती के संबंध में बजट में कोई समयबद्ध योजना का उल्लेख नहीं किया गया। ग्रामीण सड़कों, पेयजल, सिंचाई एवं आधारभूत संरचना जैसे मूलभूत विषयों पर भी अपेक्षित प्राथमिकता दिखाई नहीं दी। विधायक चातुरी नंद ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन तथा तेंदूपत्ता संग्राहकों के बोनस जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बजट में स्पष्ट प्रगति और अतिरिक्त प्रावधान का अभाव है।

उन्होंने कहा कि यदि यह बजट वास्तव में जनकल्याणकारी होता, तो इसमें महिलाओं, किसानों, युवाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और वित्तीय रूप से समर्थ योजनाएं शामिल होतीं।

अंत में विधायक चातुरी नंद ने सरकार से मांग की कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना सार्वजनिक की जाए तथा महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने सहित सभी प्रमुख वादों के लिए स्पष्ट बजटीय प्रावधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेश की जनता को वास्तविक राहत मिल सके।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26